



शक्ति और भक्ति की भूमि पर आना मेरा सौभाग्य

● भागवत बोले-भगवान से प्रार्थना है मेरा दिमाग ठीक रहे ● कहा-बहुत सारे संत ऐसे हैं जो संघ के कार्यक्रमों में नहीं आए

सीकर (एजेंसी)। सीकर के रैवासा धाम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने संत राघवाचार्य की प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने 9 दिवसीय सियापिय मिलन समारोह का शुभारंभ करते हुए राघवाचार्य को भी याद किया। संघ प्रमुख ने कहा कि शक्ति और भक्ति की भूमि पर आज मेरा आना हुआ है। भागवत ने कहा कि...यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां मेरा जिस स्नेह से आपने स्वागत किया है, जो सद्भावना अच्छे शब्दों में प्रकट की है, यह सब देखकर मुझे एक बार फिर मुझे राघवाचार्य महाराज का स्मरण हुआ। भगवान से प्रार्थना है कि मेरा दिमाग ठीक रहे। संघ प्रमुख ने कहा



संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। रैवासा धाम का धार्मिक महत्व भी है। यहीं पर तुलसीदास जी ने काव्य पद जानकीनाथ सहाय की रचना की थी।

हरियाणा से कश्मीर के लाल चौक जाएगी तिरंगा यात्रा

● सीएम सैनी ने दिखाई हरी झंडी,बोले-बेटियां यहां गी अक्वल

चंडीगढ़ (एजेंसी)।हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर से तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा पंजाब से होते हुए कश्मीर के ऐतिहासिक लाल चौक पहुंचेगी। मीडिया स्टूडेंट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस यात्रा का उद्देश्य एकता को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना और देश भर में भाईचारे के बंधन को मजबूत करना है। यात्रा का समापन 18 अगस्त को होगा। मुख्यमंत्री ने भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।



पीएमश्री के छात्रों ने क्लास की एलईडी पर देखी पोर्न

राजगढ़ में 13 बच्चे बैठे थे, वीडियो भी बनाया ; परिजन बोले- प्रबंधन पर कार्रवाई हो

राजगढ़ (भोपाल) (नप्र)। राजगढ़ जिले के सुठालिया में पीएम श्री स्कूल में कुछ छात्रों ने क्लास के दौरान एलईडी स्क्रीन पर पोर्न फिल्म चला दी। इस दौरान अन्य अन्य छात्र कुर्सियों पर बैठकर फिल्म देख रहे थे। इनमें से से एक छात्र ने इसका वीडियो बना लिया।

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल होने के लोगों ने इस पर विरोध जताया। मामला पुलिस और प्रशासन तक भी पहुंचा। जिला शिक्षा अधिकारी करण सिंह भिलालाल ने ब्यावसायिक विकासखंड अधिकारी दिलीप शर्मा को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो कब का है, यह पता नहीं चल सका है।

एक छात्र ने बनाया इसका वीडियो- स्कूल के क्लासरूम में बनाए गए एक वीडियो में छात्रों की पढ़ाई के लिए लगी एलईडी टीवी स्क्रीन पर अश्लील फिल्म चल रही है। स्क्रीन के पास एक टेबल के पास बैठे कुछ छात्र अपने मोबाइल से स्क्रीन पर चल रही फिल्म का वीडियो रिकॉर्ड कर रहे हैं। इसी दौरान, जब एक अन्य छात्र इनकी इस हरकत का वीडियो बनाता है, तो कुछ छात्र हँसते हुए अपना चेहरा छिपाते नजर आ रहे हैं। क्लासरूम में लगी एलईडी स्क्रीन पर छात्रों ने पोर्न फिल्म देखी। उस समय टीचर मौजूद नहीं थे।



लोग बोले-स्कूल प्रबंधन की लापरवाही- स्थानीय लोगों और पेरेंट्स ने इस मामले में कहा कि इस तरह की हरकत स्कूल के माहौल को न सिर्फ खराब करती है, बल्कि यह विद्यार्थियों के भविष्य पर भी गलत असर डाल सकती है। घटना के समय स्कूल स्टाफ कहा था? एलईडी स्क्रीन जैसी सुविधाएं पढ़ाई के लिए दी जाती हैं, लेकिन उन पर नियंत्रण न होना प्रबंधन की लापरवाही है। अभिभावकों और सामाजिक संगठनों ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए स्कूल में अनुशासन बहाल करने की मांग की है।

बाल कल्याण समिति ने कहा- दुर्भाग्यपूर्ण- बाल कल्याण समिति अध्यक्ष संकेत शर्मा ने कहा कि राजगढ़ के एक स्कूल में क्लासरूम में छात्रों द्वारा पोर्न वीडियो देखा जा रहा था। यदि स्कूल में इस प्रकार के वीडियो बच्चे देख रहे हैं तो यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रबंधन को इस ओर ध्यान देना चाहिए था। इसकी जांच उच्च स्तरीय होनी चाहिए। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। बाल कल्याण समिति राजगढ़ ने भी इसे संज्ञान में लिया है। स्कूल प्रचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी को नोटिस जारी कर रहे हैं। जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

बाढ़-बारिश का तांडव, बिहार के हाल बेहाल

● 17 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित, पानी-पानी हुए कई शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के 12 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 17 लाख से ज्यादा की आबादी इससे प्रभावित है। सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में भागलपुर है, यहां की 75 पंचायतों के 4.16 लाख से ज्यादा लोग पीड़ित हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश जारी है। लखनऊ में भी तेज बारिश हुई।



विधानसभा परिसर में पानी भर गया। सीएम आवास के पास सड़क पर 2 फीट तक पानी भर गया। उत्तराखंड के देहरादून में तेज बारिश हुई। यहां का एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें तेज बहाव में कई गाय बहती नजर आ रही हैं। आज जिले में कक्षा 1 से 12वीं तक के स्कूल बंद हैं। वहीं, मालदेवता क्षेत्र में नदी ने आसपास मौजूद मकानों को नुकसान भी पहुंचा। राज्य में 12- 14 अगस्त तक भारी बारिश का अलर्ट है। इसी वजह से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए केदारनाथ धाम यात्रा 3 दिन के लिए रोक दी गई है।

उत्तराखंड त्रासदी

तबाह धराली फिर से नहीं बसेगा, पूरा गांव शिफ्ट होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरकाशी में बादल फटने के बाद आई आपदा में तबाह हुआ धराली गांव अब दोबारा उस जगह नहीं बसेगा। सोमवार को सीएम हाउस में हुई बैठक में यह फैसला हुआ है। तय हुआ कि धराली गांव सुरक्षित जगह शिफ्ट होगा। नदियों



के किनारे और लैंडस्लाइड वाले संवेदनशील क्षेत्रों में कोई भी नया निर्माण नहीं होगा। इस तरह की संवेदनशील जगहों वाले अन्य गांव भी शिफ्ट किए जा सकते हैं। बीते 10 साल में धराली इलाके में तीन आपदाएं आईं। तीन बार गांव तबाह हुआ, लेकिन हर बार स्थानीय लोगों ने वहां नई इमारतें खड़ी कर लीं। फिलहाल आपदा के 7 दिन बाद भी धराली गांव लाखों टन मलबे में दबा है। उत्तरकाशी के धराली में 5 अगस्त को दोपहर 1.45 बजे बादल फट गया था। खीर गंगा नदी में बाढ़ आने से 34 सेकेंड में धराली गांव जमींदोज हो गया था।

कैबिनेट मीटिंग में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी

सरकार 4,594 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

● लखनऊ में मेट्रो के अगले फेज को मंजूरी



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कुल 18,541 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बैठक में 4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि 6 प्रोजेक्ट्स पहले से ही स्वीकृत हैं और आज 4 नए प्रोजेक्ट्स को मंजूरी मिली है। इसके तहत ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पंजाब में प्लांट्स लगाए जाएंगे, जिसके लिए 4,594 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इससे घरेलू चिप उत्पादन, पैकेजिंग और एडवांस्ड मटेरियल को

बढ़ावा मिलेगा, जिससे दो हजार लोगों को नौकरी मिलेगी। वैष्णव ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.165 किलोमीटर लंबाई वाली लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के फेज-1बी को मंजूरी दी है। इसके तहत 12 मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे और जिसके लिए 5,801 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। लखनऊ में मेट्रो की बहुत जरूरत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत स्वच्छ विकास और स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्ध है। इसलिए अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में 8,146 करोड़ रुपए के निवेश के साथ 700 मेगावाट की टाटो हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है।

बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता

● एससी के आवारा कुत्तों को हटाने के फैसले पर बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये



बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। राहुल ने एक्स पर लिखा, शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉस को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदृशशी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें। दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के नगर निकायों को निर्देश दिया है कि आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। इसके लिए 8 हफ्ते का समय दिया।

वोटर वेरिफिकेशन पर लगातार दूसरे दिन हंगामा

● विपक्षी सांसद 'मिंता देवी' की तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे

दावा- यह 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर,दोनों सदन में कोहराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदन में बिहार एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर मंगलवार को भी विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा दोपहर 3 बजे तक और राज्यसभा दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले प्रियंका गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के सांसद मकर द्वार पर मिंता देवी के नाम और तस्वीर वाली टीशर्ट पहनकर पहुंचे। विपक्ष का दावा है कि मिंता देवी बिहार चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट में 124 साल की फर्स्ट टाइम वोटर हैं। विपक्ष के हंगामे के कारण विधेयकों पर चर्चा नहीं हो पा रही है। सोमवार को भी बिना चर्चा के 8 विधेयक बिना बहस के ही पास हो गए। लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नंस बिल, नेशनल एंटी-डोपिंग (संशोधन) बिल,



इनकम टैक्स (नंबर 2) बिल और टैक्सेशन लॉ (संशोधन) बिल पास हुआ। राज्यसभा में गोवा में अनुसूचित जनजातियों के विधानसभा क्षेत्रों के पुनर्संयोजन से जुड़ा बिल, मर्चेन्ट शिपिंग बिल, मणिपुर विनियोग बिल और मणिपुर जीएसटी (संशोधन) बिल पास किए गए। सोमवार को

भी विपक्ष के 300 सांसदों ने वोटर वेरिफिकेशन के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च निकाला था। इस दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव समेत कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। हालांकि 2 घंटे बाद इन्हें छोड़ दिया गया था।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस की सप्लाई रोकौ

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेंचें। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है। पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिद्ध के बाद बदले की कार्रवाई के तौर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान



बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है।

2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह पोशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जेपी सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

अब बिहार में डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार बच्चों को डिजिटल तरीके से शिक्षा देने पर अब खासतौर से फोकस करने पर जोर दे रही है। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके जरिए छात्रों को डिजिटल माध्यम से अध्ययन की सुविधा प्रदान कराई



जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री डिजिटल लाइब्रेरी योजना (एमएमडीएलवाई) का क्रियान्वयन किया जाना है। कैबिनेट से इसके प्रस्ताव पर मंजूरी देते हुए 94 करोड़ 50 लाख 47 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके संचालन के लिए सुपरवाइजर और तकनीकी इंचार्ज की व्यवस्था की जाएगी। प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी केंद्र में 10 कंप्यूटर टर्मिनल लगाए जाएंगे। इसके कंप्यूटर को लगाने के लिए कम से कम 300 वर्ग फुट का क्षेत्र की आवश्यकता पड़ेगी।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद दुष्कर्म अश्लील वीडियो बनाकर धमकाया

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई बार दुष्कर्म किया

इंदौर। द्वारकापुरी इलाके में एक युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया। पुलिस ने 22 वर्षीय पीड़िता की शिकायत पर बाणगंगा निवासी मोहित पाल के खिलाफ रविवार को केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि उसकी आरोपी से तीन साल पहले इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों में मुलाकातें बढ़ीं और आरोपी ने शादी का भरोसा देकर कई बार शारीरिक संबंध बनाए। 12 जुलाई 2025 को आरोपी उसे अरविंदो अस्पताल के पास एक होटल में ले गया, जहां उसने फिर से संबंध बनाए और मोबाइल से अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। आरोपी ने धमकी दी कि यदि पीड़िता शादी के लिए दबाव बनाएगी तो वीडियो वायरल कर देगा। इसके बाद उसने शादी से इनकार कर दिया और संपर्क तोड़ लिया। 9 अगस्त को आरोपी ने फिर से मिलने का दबाव डाला, मना करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता दो दिन नौकरी पर नहीं गई और परिवार को पूरी घटना बताई।

मेट्रो के काम में गुमटी, खेलों के

ऑफिस हटाने पर महापौर सख्त

कार्रवाई से पहले जानकारी दें, खेल व मंदिर संरक्षित करें

इंदौर। मेट्रो स्टेशन निर्माण के चलते विधानसभा-3 के एमजी रोड थाना क्षेत्र में गुमटी संचालकों और खेल कार्यालयों के विस्थापन को लेकर सोमवार को सिटी बस कार्यालय में अहम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता महापौर पुष्पमित्र भागव ने की, जबकि विधायक गोलू शुक्ला भी उपस्थित रहे। महापौर ने मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले महापौर और विधायक को पूरी जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन पारंपरिक खेल गतिविधियों,सांस्कृतिक धरोहरों और पुराने मंदिरों के संरक्षण को भी उतनी ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बैठक में यह तय हुआ कि गुमटी संचालकों और खेल कार्यालयों के लिए नियमानुसार वैकल्पिक एवं उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही,जिन मंदिरों पर मेट्रो कार्य का प्रभाव पड़ेगा,उनका पुनर्निर्माण सुनिश्चित किया जाएगा। खेल सुविधाओं की निरंतरता बनाए रखने के लिए भी विशेष इंतजाम किए जाएंगे। महापौर ने मेट्रो अधिकारियों से विस्तृत योजना जल्द प्रस्तुत करने को कहा, ताकि प्रभावित लोगों को समय पर सूचित कर विस्थापन की प्रक्रिया व्यवस्थित तरीके से पूरी की जा सके। विधायक शुक्ला ने भी कहा कि जनता के हित और सुविधा को ध्यान में रखते हुए ही कोई भी निर्णय लिया जाना चाहिए।

फूल मंडी के पास नाले में नवजात का शव

इंदौर। अन्नपूर्णा से राजीव गांधी चौराहा मार्ग स्थित चोइथराम फूल मंडी के पास सुबह एक नाले में नवजात का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सुबह की ठंडी हवा में यह दृश्य देख लोगों के रोंगटे खड़े हो गए। मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए, आंखों में आक्रोश था। सूचना मिलते ही थाना राजेंद्र नगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आस पास के रहवासियों से घृष्टाछा जारी है, लेकिन आरोपी का अब तक कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

15 वाहनों से वसूला 60 हजार जुर्माना

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय इंदौर द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है। बसों में ओवरलोडिंग, अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षति से अधिक सवारी पाए जाने, परमिट शीटों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही विशेष रूप से स्कूल, कॉलेज के वाहनों की सघन जांच की जा रही है। सोमवार को आरटीओ द्वारा इंदौर-महु, इंदौर-सेंधवा, बड़वानी रूट की बसों की चेकिंग की गई। स्कूल बसों, यात्री बसों में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 15 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। साथ ही इंदौर से महु रूट की एक बस को जब्त किया गया। इस दौरान वाहनों से 60 हजार रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया।

पतंग उड़ा रहे बच्चे की करंट लगने से मौत

इंदौर। घर की छत से पतंग उड़ा रहे नाबालिग बच्चे को हाईटेशन लाइन से करंट लग गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसा आजाद नगर थाना क्षेत्र के मदीना नगर में रविवार शाम को हुआ। रिस्तेदार अरसान ने बताया कि रविवार शाम करीब 6 बजे 13 वर्षीय तोहिद (मृतक) पिता राज मिश्रा मकान की दूसरी मंजिल पर पतंग उड़ा रहा था। इस दौरान उसकी पतंग पास से गुजर रही बिजली की तारों में फंस गई। पतंग निकालने के प्रयास में अचानक तेज धमका हुआ और तोहिद छत पर झुलसकर गिर पड़ा। घटना इतनी तेजी से हुई कि लोग कुछ समझ ही नहीं पाए। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि तोहिद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़ा है। लोगों ने बिना देर किए परिजनों की मदद से उसे उठाया और तुरंत एमबाय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

दो माह पहले मोबाइल, रुपए लूटने वाले धराए

इंदौर। भंवरकुआं पुलिस ने ऐसे तीन बदमाशों को दबोच लिया है, जो दो माह पहले घायल युवक से मोबाइल और नकदी लूटकर भागे थे। पुलिस से बचने के लिए बदमाशों ने मोबाइल तोड़कर फेंक दिया था। लेकिन, घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी अनुसंधान से आरोपी बच नहीं सके। थाना प्रभारी राजकुमार यादव के मुताबिक, 4 जून को रात 10 बजे फरियादी अपनी मोटरसाइकल से शक्ति तौल कांटा मेमवार रोड से होते हुए मदीना नगर की तरफ जा रहा था, तभी अचानक वह बाइक से गिर गया था। इसी बीच, वहां से गुजर रहे आरोपी रुके और फरियादी को इलाज कराने का बोलकर विशेष ज्यूरीटर हास्पिटल ले जाने लगे। अस्पताल के समीप वे मोबाइल फोन और नगदी लूटकर भाग गए। घटना पर पुलिस ने धारा 309 (6) का केस पंजीबद्ध किया था। प्रकरण दर्ज होने के बाद से पुलिस लगातार बदमाशों को ढूंढ रही थी।

भगौड़े अनवर कादरी को 25 अगस्त को पेश होने का कमिश्नर का नोटिस

लव जिहाद के लिए फंडिंग करने के आरोपी को प्रशासन का नोटिस

इंदौर। लव जिहाद के लिए फंडिंग करने के आरोपी कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी को इंदौर कमिश्नर दीपक सिंह ने 25 अगस्त तक उन पर लगे आरोपों का जवाब देने का नोटिस दिया है। यदि निर्धारित तारीख तक अनवर कादरी ने नोटिस का जवाब नहीं दिया, तो उनके खिलाफ एक पक्षीय कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी गई है। जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि महापौर पुष्पमित्र भागव के पत्र और पुलिस विभाग से प्राप्त रिकॉर्ड के अनुसार आपके द्वारा किए गए कृत्य के चलते क्यों न आपके विरुद्ध मध्य प्रदेश नगर पालिका एक्ट 1956 की धारा (एक) और के तहत कार्रवाई की जाए। इस संबंध में आप खुद या आपके विधिक प्रतिनिधि के जरिए इस कोर्ट में दस्तावेज साक्ष्य के साथ 25 अगस्त को सुबह 11:00 बजे तक उपस्थित हों। ऐसा नहीं करने पर एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, पुलिस द्वारा भेजे गए रिकॉर्ड में अनवर कादरी पर शहर के विभिन्न स्थानों में 23 केस दर्ज हैं। साल 2025 में ही उन पर तीन केस दर्ज हुए। इनमें से एक लव जिहाद के लिए फंडिंग करने का मामला है, जो



बाणगंगा थाने में दर्ज हुआ। इसके अलावा एक अन्य दर्ज भी इसी मामले से जुड़ा है। एक अन्य मामला सदर बाजार का था, जिसमें अनवर कादरी पर 'पाकिस्तान जिदाबाद' के नारे लगवाने का आरोप है। इसके साथ ही साल 1996 से अभी तक उन पर 23 मामले दर्ज हैं। जिनमें शासकीय काम में अड़चन डालने, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कई गंभीर विधिक धाराओं में केस दर्ज किए गए हैं। फरार होने के चलते भी उन पर पहले 10 हजार, फिर 20 हजार और अब से 40 हजार का इनाम घोषित किया जा चुका है। उन्हें भगोड़ा भी घोषित किया जा चुका है और उनकी कुर्की के संबंध में नोटिस भी चसा किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ

नौलखा चौराहे पर योग से ट्रैफिक

त्यवस्था पर सवाल खड़े हुए

वीडियो वायरल होने पर बवाल, हादसा होते-होते बचा



इंदौर। शहर के सबसे व्यस्त नौलखा चौराहे पर सोमवार को अजीबोगरीब नजारा देखने को मिला। एक व्यक्ति बेपरवाह होकर चौराहे के बीचों-बीच लेटकर योग करता रहा, जबकि चारों ओर से वाहन गुजरते रहे। इस घटना का वीडियो वहां मौजूद एक बाइक सवार ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। गौर करने वाली बात यह रही कि इस दौरान मौके पर ट्रैफिक पुलिस कहीं नजर नहीं आई। सिमलन खुलते ही तेज रफ्तार में गाड़ियां वहां से गुजर रही थीं, लेकिन योग करने वाला व्यक्ति मानो पूरी तरह अनजान था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नौलखा चौराहा शहर के सबसे भीड़भाड़ वाले स्थानों में से है,ऐसे में बीच सड़क इस तरह योग करना गंभीर लापरवाही है। इससे किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता था। हैरानी की बात यह रही कि न तो राहगीरों ने उस व्यक्ति को हटाने का प्रयास किया और न ही ट्रैफिक पुलिस ने हस्तक्षेप किया। अब यह मामला शहर में ट्रैफिक व्यवस्था और सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े कर रहा है।

सीसीएफ की व्यवस्था से कार्रवाई ठप माफियाओं की गाड़ियां छोड़ी जा रही

वाहन संबंधी अधिकार सीसीएफ के

पास होने से माफिया ताकतवर

इंदौर। वन अपराधों के खिलाफ सख्ती के दावे करने वाला वन वृत्त आजकल अपने ही शीर्ष अधिकारियों की नीलियों के जाल में फंसकर सुस्त पड़ गया। सीसीएफ पीएन मिश्रा की नई व्यवस्था ने फील्ड अफसरों के हाथ बांध दिए। वन विभाग के सूचों के मुताबिक अब लकड़ी जब्ती की कार्रवाई में वाहन को राजसात करने का अंतिम अधिकार सीसीएफ के पास है। ऐसी स्थिति में सीसीएफ चाहे तो अवैध लकड़ी से भरा वाहन राजसात होगा अन्यथा नहीं! फिर



चाहे वह मामला फर्जी टीपी मामले का ही क्यों न हो। वाहत छोड़ने के सीडीएफ के वन विभाग के सूचों के मुताबिक अब लकड़ी जब्ती की कार्रवाई में वाहन को राजसात करने का अंतिम अधिकार सीसीएफ के पास है। ऐसी स्थिति में सीसीएफ चाहे तो अवैध लकड़ी से भरा वाहन राजसात होगा अन्यथा नहीं! फिर

माफिया की आरा मशीन सील नहीं की गई और न आईपीसी 420 के तहत प्रकरण दर्ज हुआ। इसके अलावा,जब्त गाड़ी को भी सीसीएफ के आदेश से छोड़ दिया गया। मानपुर में पकड़ी गई अवैध लकड़ी से भरी गाड़ी को भी दूसरी गाड़ी की टीपी दिखाकर छुड़ा लिया गया। बताया जा रहा है कि इसमें भी सीसीएफ की 'विशेष अनुकंपा' रही। पहले अपराधियों पर दबाव बनाने के लिए एसडीओ अवैध लकड़ी के साथ गाड़ी को तुरंत राजसात करते थे। यदि गाड़ी छोड़ी भी जाती थी, तो कोर्ट के आदेश से। लेकिन, अब सीसीएफ की व्यवस्था ने माफियाओं को खुली छूट दे दी।

शहर में कुत्तों की समस्या पर महापौर ने कहा ‘अब दिख रही समाधान की राह’

आवारा कुत्तों के बारे में सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देश जारी



उन्होंने बताया कि कोर्ट ने पहले चरण में एनसीआर क्षेत्र में 5,000 से अधिक आवारा कुत्तों को शेल्टर हाउस में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। महापौर ने उम्मीद जताई कि यह दिशा-निर्देश पूरे देश में लागू होंगे,जिससे डॉंग बाइट के मामलों पर नियंत्रण पाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यदि आदेश केवल एनसीआर तक सीमित रहे तो

सुप्रीम कोर्ट के फैसले में क्या

सुप्रीम कोर्ट ने सड़कों पर आवारा कुत्तों के कारण होने वाली रेबीज और अन्य समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कड़ा रुख अपनाया। कोर्ट ने दिल्ली सरकार और स्थानीय निकायों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी आवारा कुत्तों को तत्काल प्रभाव से सड़कों से हटाकर शेल्टर होम्स में भेजा जाए। इसके साथ ही, कोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस प्रक्रिया में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। सोमवार 11 अगस्त को जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने निर्देश दिए हैं कि सख्ती के लिए तैयार है। कोर्ट ने कहा कि कुत्तों के काटने से रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी फैल रही है, जिससे विशेष रूप से छोटे बच्चों को खतरा है। इस समस्या से निपटने के लिए कोर्ट ने कई महत्वपूर्ण

इंदौर से कटनी जा रही लापता युवती की लोकेशन नर्मदा ब्रिज पर मिली

नदी में तलाश में जुटी रेस्क्यूटीमं, लोकेशन से रहस्य गहराया



इंदौर। इंदौर की अर्चना तिवारी पिछले चार दिनों से लापता हैं। उनकी मोबाइल की अंतिम लोकेशन नर्मदापुरम जिले के नर्मदा ब्रिज पर मिली है। पुलिस और गोताखोरों की टीमें नदी में उनकी तलाश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला। अर्चना 7 अगस्त की सुबह इंदौर से कटनी के लिए निकली थीं। वह ट्रेन नंबर 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच में सीट नंबर 3 पर सफर कर रही थीं। जानकारी के अनुसार, अर्चना रक्षाबंधन के दिन इंदौर से कटनी जाने के लिए नर्मदा एक्सप्रेस में सवार हुई थीं। सफर के दौरान बुधनी और नर्मदा ब्रिज के बीच किसी काम से ट्रेन से उतर गईं। इसके बाद से उनका कोई अंता-पंता नहीं चल। परिवार का कहना है कि अर्चना का मोबाइल उसी दिन से स्विच

ऑफ है और अंतिम लोकेशन नर्मदा ब्रिज पर ट्रेस हुई। घटना के बाद से परिजन बेहद चिंतित हैं और लगातार पुलिस से मदद की गुहार लगा रहे हैं। इस बीच, स्थानीय लोगों का कहना है कि नर्मदा ब्रिज और उसके आसपास का इलाका काफी सेवेदनशील है, जहां कई बार लोगों के लापता होने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान जुटा रही है। अर्चना के लापता होने के साथ ही यह मामला रहस्यमय बन गया है।

मालवा मिल ब्रिज से गिरकर युवक की मौत, स्थानीय व्यापारी नाराज

100 दिन में बनने वाला पुल चार महीने बाद भी अभी अधूरा



इंदौर। नगर निगम की लापरवाही से मालवा मिल ब्रिज के नीचे गिरने से रविवार रात एक युवक की मौत हो गई। यह ब्रिज फिलहाल बन रहा है, मौके पर न तो किसी तरह की बैरिकेडिंग की गई थी और न किसी गार्ड की तैनाती थी। मृतक की पहचान गोलू कुशवाहा निवासी भारीस्थपुरा के रूप में हुई है। इस पुल की निर्माण अवधि 100 दिन तय की गई थी, लेकिन 4 महीने बाद भी यह अभी तक अधूरा पड़ा है। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, युवक तेज गति से बाइक चलाते हुए ब्रिज के उस हिस्से तक पहुंच गया, जहां खुदाई और मलबे का ढेर लगा था। बताया जा रहा है कि ब्रिज अधूरा होने के कारण वहां गड्ढा था, जिसे युवक अंधेरे में नहीं देख पाया और बाइक समेत उसमें गिर पड़ा। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुल का काम चलने के कारण चार महीने से अधिक समय से यह सड़क बंद है। नगर निगम और ठेकेदार कंपनी के वादों के बावजूद 40ब से ज्यादा काम अभी भी अधूरा है। हादसे के बाद क्षेत्र के व्यापारी और निवासी

डेंडर की शतों के मुताबिक निर्माण स्थल के दोनों ओर पर्याप्त रोशनी और बैरिकेडिंग का इंतजाम होना चाहिए था। लेकिन, मौके पर रोशनी नहीं है व बैरिकेडिंग के भी ठीक इंतजाम नहीं है। सड़क पर मिट्टी के ढेर डालकर रास्ता रोक गया है, जो रात के अंधेरे में दिखाई नहीं देता।

इंदौर में आज होगी ‘हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता’ रैली

कार्यालय प्रमुख बनेंगे निक्षय मित्र, टीबी मरीजों को सहयोग

इंदौर। ‘हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता’ अभियान के अंतर्गत इंदौर में 13 अगस्त को विशाल रैली निकाली जाएगी,जिसमें समाज के सभी वर्गों की भागीदारी होगी। यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई समय-सीमा पत्रों की समीक्षा एवं अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक में दी गई। बैठक में अभियान की तैयारियों और 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन हो और अधिक से

अधिक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नागरिकों से रैली में उत्साहपूर्वक शामिल होने की अपील भी की। बैठक में जिले में क्षय नियंत्रण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की गई। टीबी उन्मुलन के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सभी कार्यालय प्रमुख अब ‘निक्षय मित्र’ बनेंगे और टीबी मरीजों के पोषण स्तर में सुधार के लिए स्वेच्छक सहयोग देंगे। इस योजना के तहत निक्षय मित्र प्रति माह 500 रुपये की राशि से पौष्टिक आहार उपलब्ध कराएंगे, जिसकी अवधि 6 महीने से 3 साल तक हो सकती है। बैठक में नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, स्पार्ट सिटी सीईओ दिव्यांक सिंह,जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन, आईडीए सीईओ आरपी अहिंवार सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

निर्देश जारी किए। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में तुरंत 5,000 आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम्स बनाने का आदेश दिया। साथ ही, इन कुत्तों के बधियाकरण (नसबंदी) और टीकाकरण के लिए पर्याप्त कर्मचारियों की तैनाती करने को कहा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन कुत्तों को सड़कों, कॉलोनिजों या सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए। इसके बजाय, उन्हें दूर-दराज के शेल्टर होम्स में रखा जाए।

सॉलिस्टर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली में आवारा कुत्तों के लिए एक शेल्टर होम बनाने की योजना थी, लेकिन कुछ पशु अधिकार कार्यक्रमकर्ताओं ने अदालत से स्ट्रे ऑर्डर हासिल कर इस प्रक्रिया को रोक दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि क्या ये कार्यकर्ता उन लोगों को जान वापस ला सकते हैं, जो रेबीज से मरे हैं। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सड़कों पर एक भी आवारा कुत्ता न दिखे।

संपादकीय
मुनीर को अमेरिकी शह?
पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने अपने अमेरिका दौर के दौरान जिस तरह भारत को और परोक्ष रूप से पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध की धमकी दी है, उस पर भारत ने उन्हें खासी फटकार लगाई है। लेकिन असली सवाल यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना से करारी मात खाने वाली पाक फौज के इस आलातरीन अफसर की ऐसा कहने की हिम्मत कैसे हुई? मुनीर किस की दम पर कूद रहे हैं? संकेत तो यही हैं कि मुनीर की बयानबाजी के पीछे अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप हैं। क्योंकि वो मुनीर को खाड़ी देशों में अमेरिका का वर्चस्व बनाए रखने तथा भारत को दबाव में लाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं और मुनीर निजी स्वाधों की खातिर ऐसा होने दे रहे हैं, जबकि खुद उनके अपने देश पाकिस्तान में इसकी आलोचना हो रही है। मुनीर ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में कहा था कि अगर भारत ने सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए बांध बनाया तो हमारे पास मिसाइलों की कमी नहीं है। हम 10 मिसाइल मारकर बांध को उड़ा देंगे। सिंधु नदी भारत की सम्पत्ति नहीं है। भारत दुनिया का विश्वगुरू बनना चाहता है, जोकि सच नहीं है। मुनीर ने यह धमकी फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गए डिनर कार्यक्रम में दी। मुनीर सिंधु नदी पर ही नहीं रुके। उन्होंने यह भी कहा कि अगर भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश के अस्तित्व को खतरा हुआ तो वो इस पूरे क्षेत्र को परमाणु युद्ध में झोंक देंगे। मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। भारत ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मुनीर का बयान ऐसे देश में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी छाओं की इशारा करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है। यह भी खेदजनक है कि ये टिप्पणियां किसी मित्र देश की धरती से की गई हैं। भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हम अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाते रहेंगे। इससे पहले भारत सरकार के सूत्रों ने कहा था कि मुनीर के बयान से पता चलता है कि पाकिस्तान परमाणु हथियारों के मामले में एक गैर-जिम्मेदार देश है। पाकिस्तान में परमाणु हथियारों के गैर-सरकारी तत्वों के हाथों में पड़ने का वास्तविक खतरा है। जब भी अमेरिका पाकिस्तानी सेना का समर्थन करता है तो वे हमेशा अपना असली रंग दिखाते हैं। पाकिस्तानी लोकतंत्र को सेना ही नियंत्रित करती है। आश्चर्य नहीं कि अमेरिका के स्वगत उत्साहित होकर अगला कदम पाकिस्तान में तख्तापलट हो सकता है, ताकि फील्ड मार्शल राष्ट्रपति बन जाएं। हालांकि अति उत्साह में मुनीर ने भारत को मसिंडीज कार और उसके मुकाबिल अपने देश को डर्पिंग ट्रक बता दिया, जिसका पाकिस्तान में भी मजाक बनाया जा रहा है। दरअसल चिंता की बात यह नहीं है कि पाकिस्तान भी परमाणु सम्पन्न देश है और उसके पास भी परमाणु हथियार है, बल्कि इस बात की है कि ये परमाणु हथियार कभी भी आंतकी संगठनों के हाथ में जा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो न केवल भारत परतु पूरी दुनिया को ही इसके भयावह परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। क्योंकि पाक में सेना और आतंकियों का सीधा तालमेल है। पाकिस्तान खुद को बचाने और कश्मीर हथियाने के लिए इन आतंकियों का प्रॉक्सी की तरह इस्तेमाल कर रहा है और करता रहेगा। ऐसे में भारत को हर घड़ी चौकता रहने की जरूरत है।

स्वतंत्रता
धर्मन्त सिंह लोधी
लेखक मध्य प्रदेश के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार हैं।

अनेक वर्षों की पराधीनता और समस्त विदेशी शक्तियों को पराभूत कर 15 अगस्त 1947 को भारत में स्वाधीनता का सूर्योदय हुआ। इस सूर्योदय ने सदियों की गुलामी का अधकार मिटाकर स्वराज के पुष्प को पल्लवित किया। लेकिन साथ ही इसकी उम्मता ने एक भयावह विभीषिका को भी जन्म दिया। और वह थी मातृभूमि के विभाजन की विभीषिका।

भारत का विभाजन केवल एक घटना मात्र नहीं है, एक त्रासदी है, जिसने न केवल अखण्ड भारत की एकता को खण्डित किया है, बल्कि हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय ताने-बाने को भी भीतर एक घायल किया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जब ब्रिटिश हुकुमत को भारत पर अपनी सत्ता को जारी रखना असंभव लगने लगा, तब एक बार फिर अंग्रेजों ने “फूट खलो” और ‘राज करो’ की नीति को अपनाया। अंग्रेजो के इस षड्यंत्र में मुस्लिम लोग और मोहम्मद अली जिन्ना की संकीर्ण और कट्टर मान्यिकता, अलगाववादी राजनीति और सत्ता की लोलुपता ने, आग में घी की तरह काम किया।

जिन्ना ने धर्म के आधार पर एक अलग ‘मुस्लिम राष्ट्र’ के विचार को र्थीधार बनाकर देश की हवाओं में साम्प्रदायिकता का जहर घोला। भारत-विभाजन और अलग ‘मुस्लिम राष्ट्र’ के लिए मुस्लिम लोग ने 16 अगस्त 1946 को ‘प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस’ का आह्वान किया और बंगाल, बिहार सहित पूरे देश में भीषण साम्प्रदायिक दंगे भड़काए।

स्वतंत्रता से ठीक पहले हुए इस साम्प्रदायिक दंगों से देश कांप उठा। ये दंगे मुस्लिम लोग और

नजरिया
अमित कोहली
स्वतंत्र लेखक
भा
रतीय समाज में विवाह को एक संस्कार माना जाता है, जिसमें दो व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि दो परिवारों का मिलन होता है। पारंपरिक रूप से विवाह को सामाजिक स्थिरता, नैतिकता और पारिवारिक एकता का आधार माना गया है। विवाह के माध्यम से ना केवल संतानोत्पत्ति, बल्कि सामाजिक संरचना को बनाए रखने की कोशिश की जाती रही है। समय के साथ विवाह की परिभाषा और उद्देश्य बदलते गए हैं। आधुनिक समाज में विवाह साथी, मित्र और सहयोगी की खोज का माध्यम बन गया है।
आज विवाह व्यक्तिगत और भावनात्मक आवश्यकताओं से जुड़ गया है। लोग अब उसे केवल सामाजिक मान्यता प्राप्त करने का माध्यम नहीं मानते, बल्कि एक साथी, मित्र और सहयोगी की खोज के रूप में देखते हैं। विवाह में दो व्यक्ति एक-दूसरे को भावनात्मक और मानसिक संबल प्रदान करते हैं। इसके अलावा, विवाह कानूनी सुरक्षा और सामाजिक स्वीकृति भी प्रदान करता है। कई अधिकार और सुविधाएँ, जैसे संपत्ति का उत्तराधिकार, चिकित्सा निर्णय लेने का अधिकार और कर लाभ विवाह के माध्यम से सुनिश्चित होते हैं। आर्थिक स्थिरता भी एक महत्वपूर्ण कारक बन गई है, क्योंकि कई लोग विवाह को एक साझेदारी के रूप में देखते हैं, जहाँ दोनों व्यक्ति मिलकर जीवन की चुनौतियों का सामना करते हैं।
आजकल विवाह के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव आया है, लेकिन यह अभी भी समाज में एक महत्वपूर्ण संस्था बना हुआ है। कुछ लोग इसे एक पारंपरिक बंधन के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य इसे एक व्यक्तिगत निर्णय मानते हैं। हाल ही में मेघालय से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। अन्देशा जताया जा रहा है कि इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की हत्या उसकी नव-विवाहित पत्नी सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कर दी। हत्या का कारण पारिवारिक विवाद और विवाह में बढ़ती असहमति बताई जा रही है। पुलिस की जांच में सामने आया कि सोनम और उसके प्रेमी ने मिलकर राजा को रास्ते से हटाने की योजना बनाई थी।
कुछ समय पूर्व मेरठ में एक और भयावह घटना सामने आई थी, जहाँ मुस्कान नामक महिला ने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ की हत्या कर दी थी। सौरभ लंदन से मुस्कान का जन्मदिन मनाने आया था, लेकिन कुछ ही दिनों बाद उसकी हत्या कर दी गई।

भारत विभाजन एक घटना नहीं, विभीषिका है

जिन्ना की सुनियोजित रणनीति थी। इन दंगों में हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग बेघर हुए, अनगिनत त्रियों के साथ दुराचार किया गया। हिंसा का सबसे ज्यादा शिकार ‘हिन्दू लोग’ बने। हजारों निर्दोष हिन्दुओं की हत्या की गई। हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किया गया। लाखों हिंदुओं की जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया। धर्म के नाम पर जो कुछ भी बुरे से बुरा हो सकता था, वह सब इन साम्प्रदायिक दंगों में घटित हुआ।

विभाजन को रोकने की कोशिशों के बाद भी अंततः 14 अगस्त 1947 को भारत का विभाजन हो ही गया। भारत भूमि का यह विभाजन एक ऐसी मानव-त्रासदी के रूप में सामने आया जिसकी पीड़ा पीढ़ियों तक महसूस की गई और आज भी की जा रही है।

रातों-रात भारत की सांस्कृतिक धारा को दो कृत्रिम भू-भागों में बांट दिया गया। करोड़ों लोग रातों-रात अपना घर आँगन, खेत-खलिहान छोड़कर अनजाने रास्तों पर निकल पड़े। लगभग एक करोड़ हिन्दू और सिख पाकिस्तान से भारत आये और लगभग 70 लाख मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए।

भारत विभाजन का सबसे भयावह पक्ष था- मानवता का पतन। विभाजन के दौरान साम्प्रदायिक हिंसा ने क्या रूप लिया। सबसे अधिक नरसंहार हिन्दुओं का किया गया। कर्कुरतापूर्ण कत्लेआम, बलात्कार, आगजनी, लूटपाट और व्यापक पैमाने पर धर्मांतरण जैसी घटनाओं को अंजाम दिया गया। ट्रेनें लोगों को नहीं बल्कि लाशों को ढोने लगीं। पाकिस्तान से हिंदुओं की लाशों से भरी ट्रेन को भारत भेजा गया। मासूम बच्चों की चीखें, माताओं का विलाप, स्थियों से बलात्कार और बेसहारा चेहरों की भीड़ ये सब विभाजन की विभीषिका के स्पष्ट प्रतीक बन गए। लेकिन सवाल यह उठता है कि भारत विभाजन हुआ क्यों ? वास्तव में भारत का विभाजन तत्कालीन मुस्लिम नेताओं

ल्यंग
अतुल चतुर्वेदी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

यह रोज की तरह एक दिन था बस सुबह से बरसात की झड़ी लगी हुई थी। और जैसा कि आमतौर पर छोटे स्कूलों में होता है बरसात के दिनों में अघोषित अवकाश हो जाता है। गाँव का यह एकमात्र मिडिल स्कूल है। गाँव के भोले भाले स्कूली बच्चे कागज की नाव बना रहे हैं और स्कूल की टपकती छत से बहने वाली नाली की जल धार में उसे बहा रहे हैं। बच्चे टपकती छत से बचने को खो खो के खिलाड़ियों की तरह कक्षा में जगह बदलते फिर रहे हैं। उनके लिए यह खेल हो गया है मनोरंजक। एक कमरे में तीन क्लासें चुसी बैठी हैं।

पीछे की पींक के बच्चे बारिश में निकलने वाली वीर बहूटी से खिलवाड़ कर रहे हैं उन्हें वो किसी नयी गाड़ी के मॉडल सी लग रही है। अध्यापिका जी निश्चित हैं। पहले वो अपना बेटा सम्भालती हैं फिर बच्चों की हाज़िरी भरती हैं और फिर दूसरी क्लास का मुआयना करने चली जाती हैं। उन्हें इस कमरे की दरकती दीवारों का पता है। छत यहाँ भी टपक रही

रिश्तों के द्वैत में उलझी त्यक्तिगत आजादी

हालाँकि, ‘लिव-इन’ संबंधों को विवाह का आदर्श विकल्प मानना एक भ्रम साबित हो सकता है। हाल की घटनाओं से यह स्पष्ट हुआ है कि ‘लिव-इन’ में भी वही समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जो विवाह में देखी जाती हैं। श्रद्धा वालकर की हत्या इसका एक भयावह उदाहरण है, जहाँ उसके ‘लिव-इन’ पार्टनर आफताब पूनावाला ने उसकी हत्या कर दी और उसके शरीर के टुकड़े कर कई दिनों तक छिपाए रखा। इसी तरह, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 23 वर्षीय समीक्षा की उसके ही ‘लिव-इन’ पार्टनर सतीश ने चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अन्य घटना छिंदवाड़ा में हुई, जहाँ ममता नामक महिला की उसके ‘लिव-इन’ पार्टनर जुंगी ने निर्मम हत्या कर दी थी।

हत्या के बाद मुस्कान और साहिल ने शव के 15 टुकड़े कर उसे सीमेंट से भरे ड्रम में डाल दिया। पुलिस ने जब घर में फैली दुर्गंध के कारण जांच शुरू की, तब इस अपराध का खुलासा हुआ। ‘लिव-इन’ संबंधों को अक्सर पारंपरिक विवाह का स्वतंत्रता और समता आधारित विकल्प माना जाता है। इसे एक ऐसी व्यवस्था के रूप में देखा जाता है, जहाँ दो व्यक्ति बिना सामाजिक और कानूनी बंधनों के साथ रह सकते हैं, एक-दूसरे को बेहतर समझ सकते हैं और



अपने रिश्ते को बिना बाहरी दबाव के विकसित कर सकते हैं। ‘लिव-इन’ की लोकप्रियता बढ़ने के पीछे कई कारण हैं। युवा वर्ग अब विवाह से पहले एक-दूसरे को समझने और रिश्ते की वास्तविकता को परखने के लिए ‘लिव-इन’ को प्राथमिकता दे रहा है। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए भी आकर्षक है, जो विवाह की कानूनी और सामाजिक जटिलताओं से बचना चाहते हैं। इसके अलावा, ‘लिव-इन’ में सहजीवन की स्वतंत्रता होती है, जहाँ दोनों साथी बिना किसी सामाजिक दबाव के अपने रिश्ते को आगे बढ़ा सकते हैं। हालाँकि, ‘लिव-इन’ संबंधों को विवाह का आदर्श विकल्प मानना एक भ्रम साबित हो सकता है। हाल की

कटाक्ष
मुकेश रातौर
लेखक व्यंग्यकार हैं।
बु
जुगों ने उवाचा है,सौ बका तिस पर एक लिखा। हम हमेशा से बके के बरअक्स लिखे को वरीयता देते रहे हैं। लिखा स्मृति है,बका विस्मृति। हम समझते हैं, लिखेगा तो दिखेगा लेकिन देखने में आया है कि लिखा हुआ लिखा ही रह जाता है और जो दिखता है ‘ये तो लिखा ही नहीं था’ सोचकर हम देखते ही रह जाते हैं। लिखा कैसे बन गया होगा?...तो कह कबीर का रहस्यवाद है। एक बार ड्राइवर बन जाइए बस,फिर लाइसेंस तो घर बैठे बनकर आ जाएगा,रहा सवाल पढ़ाई-लिखाई का तो जब सरकार चलाने के लिए पढ़ाई जरूरी नहीं तो गाड़ी क्या चीज है!
सार्वजनिक उद्यानों में लिखा होता है ‘फूल पतियां न तोड़ें’ मगर हर सुबह भांति-भांति के भक्त पहुंचते हैं और इन्हें तोड़ लाते हैं। पहले आओ-पहले पाओ के बतर्ज जो पहले चला आया सारे फूल उसकी झोली में,बाद वाले के लिए सियाय कलियों के कुछ नहीं। ‘माली आवत देख कर कलियन करी पुकार,फूले-फूले चुन लिए काल हमारी बार।’ कोई समझदार टाइट फूलचंद इन मनफूलों के फूल तोड़ने से रोकना भी चाहे तो भगवान का हवाला दे दिया जाता है। भगवान के विरोध में भला कोई अधिकार चाहेगा? भगवान के नाम पर आप सड़क पर साइड खड़ी कार के शीशे, ट्रैफिक सिग्नल,दुकानों के सामान यहां तक कि सैनिक की हड्डी-पसली तक तोड़ सकते हैं तो फिर फूल तो तोड़ने के लिए ही बने

अब लिखा कौन मानता है
हैं। सड़क किनारे कितनी सूचनाएं लिखी होती है,आगे गति अवरोधक है,आगे अंधा मोड़ है...लेकिन बिन पढ़ें हम अपनी गति से अंधे बन हर मोड़ पर करते चले जाते हैं। गूगल मैप लगा हों तब तो कार सहित निर्माणधीन पुल के साथ भवसागर भी पर उतर जाए तो कम नहीं। अब लिखा हुआ पढ़ता ही कौन है? ये बात और है कि कईयों को पढ़ते ही नहीं आता। आप पृष्ठों कि फिर उनका ड्राइविंग लाइसेंस कैसे बन गया होगा?...तो कह कबीर का रहस्यवाद है। एक बार ड्राइवर बन जाइए बस,फिर लाइसेंस तो घर बैठे बनकर आ जाएगा,रहा सवाल पढ़ाई-लिखाई का तो जब सरकार चलाने के लिए पढ़ाई जरूरी नहीं तो गाड़ी क्या चीज है!
देश चलाने की बात चली तो यू. तो देश संविधान से चलता है। सत्तापक्ष के आकर्षण या विपक्ष के विकर्षण से नहीं। कदाचित दुनिया के किसी भी संप्रभु राष्ट्र की तुलना में हमारे देश का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है,जिसमें सरकार के कामकाज,विधायी शक्तियों,नागरिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों...सबका विस्तृत ब्यौरा है। इस लिखित संविधान की लिखित शपथ अक्षरशःपढ़कर ही वे माननीय हो जाते हैं,लेकिन इसका कितना पालन करते हैं वे जाने और हम समझें।
लिखें की सर्वाधिक अनदेखी
विवाह, जो कभी सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक संरचना का आधार माना जाता था, अब कई लोगों के लिए एक बंधन बन गया है। पारिवारिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और व्यक्तिगत असंतोष विवाह को तनावपूर्ण बना देते हैं। तलाक की बढ़ती दरें और विवाह में होने वाली हिंसा इस संस्था की असफलता को उजागर करती हैं। मेरठ और इंदौर की घटनाएँ दर्शाती हैं कि विवाह में बढ़ते अविश्वास और बाहरी संबंधों के कारण हिंसा तक की नौबत आ सकती है। दूसरी ओर, ‘लिव-इन’ संबंधों को विवाह का स्वतंत्र और प्रगतिशील विकल्प माना गया, लेकिन यह भी विवाह की समस्याओं से मुक्त नहीं रहा। श्रद्धा वालकर की हत्या जैसी घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि ‘लिव-इन’ संबंधों में भी भावनात्मक अस्थिरता, अधिकारों की अस्पष्टता और हिंसा की संभावना बनी रहती है। कानूनी सुरक्षा और सामाजिक स्वीकृति की कमी के कारण ‘लिव-इन’ संबंधों में असुरक्षा बढ़ती जा रही है।
विवाह और ‘लिव-इन’ संबंधों की असफलता ने यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या दो व्यक्तियों का आजीवन साथ रहने का संकल्प उचित भी है? पारंपरिक विवाह सामाजिक स्थिरता और पारिवारिक संरचना को बनाए रखने के लिए विकसित हुआ था, जबकि ‘लिव-इन’ संबंधों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता का प्रतीक माना गया। लेकिन दोनों ही व्यवस्थाएँ भावनात्मक अस्थिरता, अधिकारों की अस्पष्टता और हिंसा से मुक्त नहीं रह सकीं। समाधान की दिशा में कुछ संभावित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। विवाह या ‘लिव-इन’ को स्थायी बंधन मानने के बजाय, इसे एक समझौते के रूप में देखा जाए, जहाँ दोनों पक्षों को स्वतंत्रता और सम्मान मिले। इसके अलावा, विवाह और ‘लिव-इन’ संबंधों में कानूनी सुरक्षा और अधिकारों की स्पष्टता बढ़ाई जाए, ताकि किसी भी प्रकार की हिंसा या असुरक्षा को रोका जा सके। विवाह और ‘लिव-इन’ संबंधों की असफलता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि समाज संबंध के नए मॉडल की खोज करे, जो व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और सुरक्षा को प्राथमिकता दे। (संसेप)

कटाक्ष
मुकेश रातौर
लेखक व्यंग्यकार हैं।

अब लिखा कौन मानता है

हैं। सड़क किनारे कितनी सूचनाएं लिखी होती है,आगे गति अवरोधक है,आगे अंधा मोड़ है...लेकिन बिन पढ़ें हम अपनी गति से अंधे बन हर मोड़ पर करते चले जाते हैं। गूगल मैप लगा हों तब तो कार सहित निर्माणधीन पुल के साथ भवसागर भी पर उतर जाए तो कम नहीं। अब लिखा हुआ पढ़ता ही कौन है? ये बात और है कि कईयों को पढ़ते ही नहीं आता। आप पृष्ठों कि फिर उनका ड्राइविंग लाइसेंस कैसे बन गया होगा?...तो कह कबीर का रहस्यवाद है। एक बार ड्राइवर बन जाइए बस,फिर लाइसेंस तो घर बैठे बनकर आ जाएगा,रहा सवाल पढ़ाई-लिखाई का तो जब सरकार चलाने के लिए पढ़ाई जरूरी नहीं तो गाड़ी क्या चीज है!

देश चलाने की बात चली तो यू. तो देश संविधान से चलता है। सत्तापक्ष के आकर्षण या विपक्ष के विकर्षण से नहीं। कदाचित दुनिया के किसी भी संप्रभु राष्ट्र की तुलना में हमारे देश का संविधान सबसे बड़ा लिखित संविधान है,जिसमें सरकार के कामकाज,विधायी शक्तियों,नागरिक अधिकार और मौलिक कर्तव्यों...सबका विस्तृत ब्यौरा है। इस लिखित संविधान की लिखित शपथ अक्षरशःपढ़कर ही वे माननीय हो जाते हैं,लेकिन इसका कितना पालन करते हैं वे जाने और हम समझें।

लिखें की सर्वाधिक अनदेखी

तो मेरा नाम न लेना। उधर दीवारों और छत की आपातकालीन बैठक चल रही थी। दीवारें बच्चों को देखकर रहम खा रही थीं हालांकि उनके पैर काँप रहे थे लेकिन उनका मानना था छत से कि चार पाँच घंटे और गुज़ार लो रात को गिर पड़ना, यदि नहीं रुका जा रहा तो। छत की हालत पतली थी वहाँ तीन फीट पानी भर गया था भार के कारण उसके किडनी, लीवर और हार्ट का मल्टी फेलियर हो रहा था। वैसे उसे भी बच्चों से मोह हो गया था और वो अपने को थामने की भरपूर कोशिश कर रही थी। तभी कुछ बुजुर्ग इंटे बोल उठीं बहनों हमें अपना धर्म निभाना है हम निर्मम पुल नहीं हैं हम स्कूल की दीवारें हैं जहां नैतिकता का पाठ पढ़ाया जाता है और सेवार्थ प्रस्थान लिखा होता है इसलिए कुछ तो साख रखो इन खुदे सूक्ति वाक्यों की। हम शिक्षा अधिकारियों से कागज़ी, ठेकेदार से लालची और लापरवाह अध्यापक से मुड़ी नहीं हो सकते। हमें रात की प्रतीक्षा करनी होगी, साथी हाथ बढ़ाना रे क़हकर सब दीवारों ने एक दूसरे का और दीवारों ने छत को थाम लिया।

जयंती पर विशेष

प्रमोद दीक्षित मलय

शिक्षक लेखक और शैक्षिक संवाद मंच उ.प्र. के संस्थापक हैं।



भारतीय इतिहास के आभायुक्त गरिमामय वितान का क्षत्रिय राजपूती फलक शताब्दियों से अपने त्याग, बलिदान, वीरता, स्वामिभक्ति तथा साका एवं जौहर व्रत से लोकजीवन में प्रेरणा एवं ऊर्जा का संचार करते हुए देश एवं राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण का पथ प्रशस्त करता रहा है। इस मरुभूमि ने ऐसे नर नाहर उत्पन्न किए जिनके केवल नामोच्चारण से ही अरिदल के हृदय कंपित हो जाते थे। ऐसे ही वीर दुर्गादास राठौड़ संकल्प के धनी प्रखर राजपूत योद्धा थे जिन्होंने अपनी वीरता, दूर दृष्टि, संगठन शक्ति, कूटनीति एवं शौर्य-पराक्रम से इतिहास के गगनांचल में मारवाड़ के ध्वज को नवल गरिमा से सम्पूक्त कर श्रद्धा का आधार केंद्र बना दिया था। यह वीर दुर्गादास राठौड़ के युद्ध कौशल और रणनीति का ही परिणाम था कि दिल्ली से औरंगजेब की कैद से महाराजा जसवंत सिंह की विधवा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को सकुशल निकाल कर मारवाड़ लाने में सफल रहे थे, जिससे औरंगजेब हाथ मलते कसमसा कर रह गया था।

वीर दुर्गादास राठौड़ का जन्म 13 अगस्त, 1638 को मारवाड़ राज्यान्तर्गत सेलवा नामक ग्राम में हुआ था। पिता आसकरण राठौड़ जोधपुर नरेश महाराजा जसवंत सिंह के मंत्री एवं जागीरदार थे। माता नेतकंवर अपने पति आसकरण राठौड़ से अलग एक अन्य गांव में रहते हुए भी दुर्गादास राठौड़ का उचित पालन-पोषण किया और उसके हृदय क्षेत्र में त्याग, बलिदान एवं वीरता के भाव बीज का रोपण महाभारत एवं रामायण की प्रेक्ष कथाएँ सुनाकर किया था। ओज-तेज प्रभा समन्वित बालक दुर्गादास शुक्ल पक्ष के चंद्र की भांति लोक में उजियार करने लगा।

महाराजा जसवंत सिंह की मुगल शहंशाह शाहजहां से मैत्री संधि थी। आगे 1673 में मुगल शहंशाह औरंगजेब के फरमान पर जोधपुर नरेश अफगानिस्तान में एक सैन्य

रजिस्टर्ड डाक: एक युग की खामोश विदाई

अलविदा

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं।



एक सितंबर दो हजार पच्चीस को जब भारत डाक की रजिस्टर्ड डाक सेवा औपचारिक रूप से समाप्त कर दी जाएगी, तो संभवतः किसी समाचार पत्र के मुख्य पृष्ठ पर यह नहीं छपेगा, न ही किसी समाचार चैनल पर विशेष चर्चा होगी। यह समाचार जितना सामान्य प्रतीत होता है, उतना ही गहरा असर छोड़ता है – उस पीढ़ी पर, जिन्होंने वर्षों तक डाकिये की साइकिल की घंटी सुनकर अपने दिन की शुरुआत की। जिन्होंने पत्रों के माध्यम से रिश्तों को जिया और डाकघर की कतारों में खड़े होकर संवाद की प्रतीक्षा की।

रजिस्टर्ड डाक कोई साधारण सेवा नहीं थी। यह उन दिनों की गवाही थी जब हम कागज पर स्याही से अपने जज्बातों को उकेरा करते थे। जब एक लिफाफ़े में कई अनकही बातें, लंबा इंतज़ार और अनगिनत भावनाएँ समाहित होती थीं। जब एक पत्र, चाहे वह परिवार के किसी सदस्य का हो या सरकारी दस्तावेज़, केवल कागज़ का टुकड़ा नहीं होता था, बल्कि विश्वास का प्रतीक होता था – कि यह जरूर पहुँचेगा, सही हाथों में, सही समय पर।

रजिस्टर्ड डाक वह सेतु था, जो गाँव को शहर से, माँ को बेटे से, प्रेमिका को प्रेमी से, और नागरिक को

वीर दुर्गादास राठौड़ : शौर्य, पराक्रम एवं वीरता के प्रतीक

महाराजा जसवंत सिंह की मुगल शहंशाह शाहजहां से मैत्री संधि थी। आगे 1673 में मुगल शहंशाह औरंगजेब के फरमान पर जोधपुर नरेश अफगानिस्तान में एक सैन्य अभियान पर गये थे और दुर्योग से वहीं 1678 में निःसंतान दो गर्भवती रानियों को छोड़ परलोक सिधार गये। बाद में रानियों के पुत्र हुए, जिसमें एक की मृत्यु हो गयी और दूसरा शिशु राजकुमार अजीत सिंह नाम से विख्यात हुआ। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि औरंगजेब महाराजा जसवंत सिंह को मेवाड़-मारवाड़ में मुगल साम्राज्य के विस्तार पथ का सबसे बड़ा कंटक मानते हुए पसंद नहीं करता था किंतु संधि होने के फलस्वरूप सीधा आक्रमण न कर हमला करने हेतु उचित कारण की तलाश में रहता था। इसका कारण यह था कि पूर्व में दिल्ली की गद्दी के लिए दारा शिकोह के साथ राजा जसवंत सिंह औरंगजेब के विद्रोह को दबाने हेतु गये थे किंतु सफल नहीं हुए थे और कालांतर में औरंगजेब ने पिता शाहजहां को कैद कर वर्ष सन् 1658 में दिल्ली की गद्दी हथिया ली थी। तब राजा जसवंत सिंह ने भी औरंगजेब से संधि करना उचित समझा था। तो इस प्रकार महाराजा की अचानक मृत्यु हो जाने से मारवाड़ राज्य के रिक्त सिंहासन को देख औरंगजेब की राज्य लिप्सा बढ़ी और मारवाड़ को मुगल राज्य के अधीन करने का स्वप्न साधने हेतु कुछ सरदारों को लाव-लश्कर सहित जोधपुर खाना कर दिया तथा उधर अफगानिस्तान से मारवाड़ के लिए निकली सेना को दिल्ली के बाहर रुकने तथा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को दिल्ली दरबार में हाजिर होने का हुक्म

अभियान पर गये थे और दुर्योग से वहीं 1678 में निःसंतान दो गर्भवती रानियों को छोड़ परलोक सिधार गये। बाद में रानियों के पुत्र हुए, जिसमें एक की मृत्यु हो गयी और दूसरा शिशु राजकुमार अजीत सिंह नाम से विख्यात हुआ। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि औरंगजेब महाराजा जसवंत सिंह को मेवाड़-मारवाड़ में मुगल साम्राज्य के विस्तार पथ का सबसे बड़ा कंटक मानते हुए पसंद नहीं करता था किंतु संधि होने के फलस्वरूप सीधा आक्रमण न कर हमला करने हेतु उचित कारण की तलाश में रहता था। इसका कारण यह था कि पूर्व में दिल्ली की गद्दी के लिए दारा शिकोह के साथ राजा जसवंत सिंह औरंगजेब के विद्रोह को दबाने हेतु गये थे किंतु सफल नहीं हुए थे और कालांतर में औरंगजेब ने पिता शाहजहां को कैद कर वर्ष सन् 1658 में दिल्ली की गद्दी हथिया ली थी। तब राजा जसवंत सिंह ने भी औरंगजेब से संधि करना उचित समझा था। तो इस प्रकार महाराजा की अचानक मृत्यु हो जाने से मारवाड़ राज्य के रिक्त सिंहासन को देख औरंगजेब की राज्य लिप्सा बढ़ी और मारवाड़ को मुगल राज्य के अधीन करने का स्वप्न साधने हेतु कुछ सरदारों को लाव-लश्कर सहित जोधपुर खाना कर दिया तथा उधर अफगानिस्तान से मारवाड़ के लिए निकली सेना को दिल्ली के बाहर रुकने तथा रानियों एवं शिशु अजीत सिंह को दिल्ली दरबार में हाजिर होने का हुक्म



दिया। रानियों को दिल्ली पहुंचते ही कैद कर एक किले में नजरबंद कर दिया गया। यह धोखा वीर दुर्गादास राठौड़ को अंदर तक झकझोर गया और वह अपने सरदारों के साथ रानियों एवं राजकुमार अजीत की मुक्ति हेतु रणनीति बनाने लगे, सेना दिल्ली के बाहर तैयार ही थी। किंतु तभी औरंगजेब ने सेना को दिल्ली छोड़ने का फरमान दिया तो

सेना आगे बढ़ गयी। परंतु वीर दुर्गादास ने अपने कुछ विश्‍वस्त सरदारों एवं युद्धाओं को गुप्त रूप से दिल्ली में रोक लिया और कुछ सरदारों को फौज की टुकड़ी के साथ आसपास के गांवों में रुकने का आदेश दिया। और एक दिन अनुकूल अवसर पर हमला कर औरंगजेब की नाक के नीचे से रानियों एवं शिशु राजकुमार अजीत सिंह को निकाल कर मारवाड़ पहुंचा दिया। योजनानुसार अजीत सिंह का पालन-पोषण भिन्न-भिन्न गांवों में करवाने की व्यवस्था कर वह स्वयं मुगल सेना से लोहा लेते रहे। इसी बीच कूटनीति एवं दूरदृष्टि से औरंगजेब को उसके घर में उलझाने का विचार कर उसके पुत्र मुहम्मद अकबर को पिता के विरुद्ध उकसाया। और उसे सैन्य सहायता देकर दिल्ली पर जोरदार हमले की रणनीति बनाई। अद्भुत संगठन शक्ति की कुशलता से दुर्गादास विभिन्न रियासतों एवं बिखरी राजपूती सैन्य शक्ति को पूर्व में ही संगठित कर नेतृत्व की भूमिका में आ गये थे। किंवदंती है कि वीर दुर्गादास राठौड़ का भोजन एवं शयन भी घोड़े की पीठ पर ही होता था। कहने का आशय केवल इतना है कि राजकुमार अजीत सिंह राठौड़ को मारवाड़ के सिंहासनासीन कराने तक वह चैन से नहीं बैठे और अपने अश्व के साथ सर्वदा युद्ध हेतु तत्पर रहे। हालांकि, अजीत सिंह का राजतिलक होने के बाद दुर्गादास को मारवाड़ छोड़ना पड़ा। उसका कारण था कि जब शहजादा मुहम्मद

अकबर के विद्रोह को औरंगजेब ने दबा दिया तो दुर्गादास राठौड़ ने उसे दक्षिण में मराठों के पास भेज दिया और एक वर्ष बाद वह वहां से ईरान भाग गया। इस भागमभाग में उसके एक पुत्र-पुत्री मारवाड़ में ही छूट गये जिनका पालन-पोषण दुर्गादास के संरक्षण में हुआ। एक बार युवा राजकुमार अजीत सिंह ने अकबर की पुत्री को देखा तो मुग्ध हो विवाह का प्रस्ताव रखा किंतु दुर्गादास ने नीति एवं धर्म-विरुद्ध बताकर उन पुत्र-पुत्री को औरंगजेब के पास भिजवा दिया। इससे अजीत सिंह मन ही मन दुर्गादास से अत्यंत क्रुद्ध हुआ। वह उनसे बदला ले, इसके पहले ही वह मारवाड़ छोड़कर मेवाड़ प्रवास करते हुए उज्जैन पहुंच गये।

महाकाल शिव की नगरी उज्जैन में वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की देह 22 नवम्बर, 1718 को पवित्र शिप्रा नदी के तट पर पावन रज में भस्मीभूत हो गयी। उनके मृत्यु स्थल पर एक छतरी का निर्माण किया गया। भारत सरकार ने उनकी स्मृति को संजोते हुए 16 अगस्त, 1988 को एक डाक टिकट तथा 25 अगस्त, 2003 को स्मारक सिक्के जारी किये और एक सड़क का नाम उनके नाम पर वीर दुर्गादास राठौड़ मार्ग रखा। उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर 'वीर दुर्गादास' नाम से वर्ष 1924 और 1960 में फिल्में बनाई गईं। बच्चों के लिए अमर चित्रकथा का प्रकाशन हुआ। वीर दुर्गादास राठौड़ का जीवन हमें सर्वदा देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा।

यह उसकी सबसे बड़ी सफलता है – कि उसने शब्दों को अमर बना दिया।

इस सेवा के बंद होने से एक भावात्मक सूत्र टूटेगा। यह वह सेवा थी, जिसने दूरी को भी एक बंधन बना दिया था। जिसने माँ के आँचल से बेटे तक, प्रेमिका की आँखों से प्रेमी तक, शिक्षक की सीख से छात्र तक – सबको जोड़ रखा था। अब स्पीड डाक आएगी – तेज, सुविधाजनक, आधुनिक। परंतु उसमें वह ठहराव नहीं होगा, वह धैर्य नहीं होगा, वह प्रतीक्षा नहीं होगी जो रजिस्टर्ड डाक को विशेष बनाती थी।

आज हम तकनीकी दृष्टि से जितने सक्षम हुए हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से खोखले भी हो गए हैं। संवाद तो अब भी होते हैं, पर उनमें आत्मा नहीं होती। रजिस्टर्ड डाक केवल चिट्ठी नहीं थी, वह आत्मा का दस्तावेज़ थी। अब जब वह विदा ले रही है, तो यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं है – यह हमारी सांस्कृतिक विरासत का एक पृष्ठ बंद होना है।

रजिस्टर्ड डाक, तुमने केवल पत्र नहीं पहुँचाए, तुमने रिश्ते पहुँचाए। तुमने हमें जोड़ना सिखाया – शब्दों से, भावनाओं से, प्रतीक्षा से, और विश्वास से। तुम भले ही अब औपचारिक रूप से बंद हो जाओ, परंतु हमारी यादों में, हमारे पुराने संदूकों में, हमारे दिलों में तुम सदा जीवित रहोगी।

आज जब हम तुम्हें विदाई दे रहे हैं, तो यह विदाई नहीं, एक प्रणाम है – उस युग को, उस सादगी को, उस धैर्य को, उस अपनापन को, जिसे तुमने वर्षों तक अपने कंधों पर छोया। अब भले ही डाकघर बदल जाएँ, डाकिए डिजिटल हो जाएँ, पत्र इतिहास बन जाएँ – परंतु तुम, रजिस्टर्ड डाक, हमारे लिए सदा अमर रहोगी।

देवी अहिल्याबाई होलकर: लोकमाता का जीवन और योगदान

देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी नामक छोटे से गाँव में हुआ। उनके पिता श्री मनकोजी राव शिंदे गांव के पाटिल थे,और माता श्रीमती सुशीलाबाई एक धार्मिक और साधारण महिला थीं, उनका परिवार मध्यमवर्गीय था। अहिल्याबाई का बचपन सादगी और धर्म के वातावरण में बीता। बचपन से ही वे भगवान शिव की भक्त होने के साथ गंभीर स्वभाव व दूरदर्शी सोच रखती थीं। उनकी आध्यात्मिकता तथा बुद्धिमत्ता कम उम्र में ही स्पष्ट थी। एक बार मराठा पेशवा बाजीराव प्रथम की सेना के सेनापति व मालवा के शासक श्रीमंत मल्हारराव होलकर पुणे जाते समय चौंडी गाँव में रुके। वहाँ एक मंदिर में भजन गाती और सेवा करती हुई बालवस्था में अहिल्याबाई को देखकर वे उनकी भक्ति,मधुर आवाज तथा आध्यात्मिकता से प्रभावित हुए। मल्हारराव ने उनकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया और उन्हें अपने पुत्र खांडेराव होलकर की पत्नी के रूप में चुन लिया।

समझ लिया और मालवा का भविष्य उनके हाथों में सुरक्षित देखा।

मालवा और भारत पर प्रभाव

18वीं शताब्दी में भारत एक जटिल दौर से गुजर रहा था। मुगल साम्राज्य का पतन हो रहा था,मराठा साम्राज्य अपनी शक्ति के चरम पर था,और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी भारत में अपने पाँव जमा रही थी। 1761 में पानीपत का तीसरा युद्ध,जिसमें मराठाओं को पराजय का सामना करना पड़ा,ने उनकी शक्ति को कमजोर किया। इन चुनौतियों के बावजूद,अहिल्याबाई ने मालवा को समृद्ध और स्थिर बनाए रखा। उन्होंने बाहरी युद्धों के बजाय आंतरिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया,जिससे उनके राज्य में शांति और समृद्धि बनी रही। उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी उनकी व्यापक दृष्टि। उन्होंने कभी यह नहीं सोचा कि केवल मालवा का विकास करना है। उन्होंने अपने संसाधनों का उपयोग पूरे भारत में धार्मिक और सामाजिक कार्यों के लिए किया। वाराणसी में गंगा नदी के किनारे घाट,हरिद्वार में हर की पौड़ी के पास ढँचे,मथुरा और वृंदावन में मंदिर और धर्मशालाएँ और दक्षिण भारत में रामेश्वरम में निर्माण कार्य उनके योगदान के उदाहरण हैं।

अहिल्याबाई होलकर का जीवन व कार्य स्त्री सशक्तिकरण का एक जीवंत उदाहरण हैं। उस समय,जब महिलाएँ घरों तक सीमित थीं और उनके लिए शासन करना असंभव माना जाता था, उन्होंने न केवल मालवा



का नेतृत्व किया,बल्कि पूरे भारत में अपनी छाप छोड़ी। उनकी सफलता ने महिलाओं को यह संदेश दिया कि वे हर परिस्थिति में अपनी क्षमता से नेतृत्व कर सकती हैं। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों, विशेष रूप से महिलाओं को प्रेरित किया कि वे घर से निकलकर लोककल्याण के लिए कार्य कर सकती हैं।

माँ अहिल्याबाई होल्कर के शासनकाल (1767-1795) के पूर्व,दौरान और बाद में विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक कारकों से प्रभावित थी।

देवी अहिल्याबाई के शासन से पहले- मालवा में

18वीं शताब्दी के प्रारंभ में मराठा शासन के अधीन व्यापारिक गतिविधियाँ मुख्य रूप से स्थानीय बाजारों और लंबी दूरी के व्यापारिक मार्गों पर निर्भर थीं। मालवा के व्यापारिक मार्ग,जैसे कि उत्तर भारत को दक्षिण और पश्चिमी तटों से जोड़ने वाले रास्ते,सूती वस्त्र,अनाज,और मसालों के व्यापार के लिए महत्वपूर्ण थे। हालांकि,मराठा सामंतों के बीच आंतरिक संघर्ष और मुगल शासन की कमजोरी के कारण व्यापारिक व्यवस्था में अस्थिरता थी। कर संग्रहण में अनियमितता और लूटपाट की घटनाओं ने व्यापारियों को प्रभावित किया।

देवी अहिल्याबाई के शासनकाल में

अहिल्याबाई के शासन में मालवा की व्यवसाय व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ। उनकी नीतियों ने व्यापार और कृषि को बढ़ावा दिया। उन्होंने कर प्रणाली को सुव्यवस्थित किया,व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित की,और बाजारों को प्रोत्साहित करने के लिए मेलों और धार्मिक आयोजनों को बढ़ावा दिया। इंदौर, उज्जैन और मधेश्वर जैसे शहर व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरे,जहाँ कपड़ा,धातु कार्य,और हस्तशिल्प का उत्पादन और व्यापार फलतः-फूला। उनकी धर्मनिष्ठा और न्यायप्रिय शासन ने व्यापारियों में विश्वास जगाया,जिससे मालवा एक समृद्ध व्यापारिक क्षेत्र बन गया।

देवी अहिल्याबाई के बाद

अहिल्याबाई के निधन 13 अगस्त 1795 के बाद,

होल्कर वंश में उत्तराधिकार के विवाद और ब्रिटिश प्रभाव के बढ़ने से मालवा की व्यवसाय व्यवस्था प्रभावित हुई। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने मालवा में महालवाड़ी व्यवस्था लागू की,जिसके तहत भूमि राजस्व की वसूली कठोर हो गई। इससे किसानों और स्थानीय व्यापारियों पर दबाव बढ़ा। हालांकि,मालवा के व्यापारिक मार्ग अभी भी महत्वपूर्ण रहे,लेकिन ब्रिटिश नीतियों ने स्थानीय उद्योगों,विशेष रूप से हस्तशिल्प और कपड़ा उद्योग, को नुकसान पहुँचाया।

देवी अहिल्याबाई होलकर का जीवन साहस,धर्म,और समर्पण का प्रतीक है। एक साधारण गाँव की लड़की से भारत के एक प्रतिष्ठित राजवंश की शासिका बनने तक की उनकी यात्रा असाधारण है। उन्होंने अपने शासनकाल में न केवल मालवा को समृद्ध बनाया,बल्कि पूरे भारत में धार्मिक,सांस्कृतिक,और सामाजिक विकास में योगदान दिया। उनकी न्यायप्रियता,आध्यात्मिकता और नेतृत्व क्षमता ने उन्हें 'लोकमाता' की उपाधि दिलाई।आज भी मधेश्वर और माधेश्वरी साड़ियाँ उनकी विरासत को जीवित रखती हैं। अहिल्याबाई का जीवन हमें सिखाता है कि दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी असंभव को संभव बना सकता है। मालवा की व्यवसाय व्यवस्था अहिल्याबाई के शासनकाल में अपने चरम पर थी,क्योंकि उनकी सुरासन और व्यापार-अनुकूल नीतियों ने आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दिया। उनके पहले और बाद में,राजनीतिक अस्थिरता और ब्रिटिश हस्तक्षेप ने इस व्यवस्था को कमजोर किया।

18वीं शताब्दी में मालवा साम्राज्य का कुशलतापूर्वक नेतृत्व किया। एक साधारण गाँव की लड़की से होलकर राजवंश की बहू और फिर मालवा की (मराठा साम्राज्य का एक हिस्सा) शासिका बनने तक की उनकी यात्रा साहस,धर्म और समर्पण से परिपूर्ण है। अपने न्यायपूर्ण शासन,धार्मिक कार्यों और स्त्री सशक्तिकरण के उदाहरण के लिए वह 'लोकमाता' के नाम से प्रसिद्ध हुईं। भगवान शिव की परम भक्त अहिल्याबाई ने मंदिरों के जीर्णोद्धार,शिक्षा और व्यापार को बढ़ावा देकर पूरे भारत में उनके जीवन,शासन व योगदान ने एक अमिट छाप छोड़ी।

देवी अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी नामक छोटे से गाँव में हुआ। उनके पिता श्री मनकोजी राव शिंदे गांव के पाटिल थे,और माता श्रीमती सुशीलाबाई एक धार्मिक और साधारण महिला थीं,उनका परिवार मध्यमवर्गीय था। अहिल्याबाई का बचपन सादगी और धर्म के वातावरण में बीता। बचपन से ही वे भगवान शिव की भक्त होने के साथ गंभीर स्वभाव व दूरदर्शी सोच रखती थीं। उनकी आध्यात्मिकता तथा बुद्धिमत्ता कम उम्र में ही स्पष्ट थी। एक बार मराठा पेशवा बाजीराव प्रथम की सेना के सेनापति व मालवा के शासक श्रीमंत मल्हारराव होलकर पुणे जाते समय चौंडी गाँव में रुके। वहाँ एक मंदिर में भजन गाती और सेवा करती हुई बालवस्था में अहिल्याबाई को देखकर वे उनकी भक्ति,मधुर आवाज तथा आध्यात्मिकता से प्रभावित हुए। मल्हारराव ने उनकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया और उन्हें अपने पुत्र खांडेराव होलकर की पत्नी के रूप में चुन लिया। यह संयोग निश्चित रूप से भगवान शिव की कृपा से ही संभव हुआ। मल्हारराव की यह दूरदर्शिता प्रशंसनीय थी कि उन्होंने इतनी कम उम्र में अहिल्याबाई की क्षमता को

सरदारपुर को मिली विकास और स्वास्थ्य सेवाओं की सौगात

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने किया 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण

18 ग्राम पंचायत भवनों का भूमि पूजन

धार। सरदारपुर आज विकास के नए अध्याय का साक्षी बना, जब प्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण करते हुए क्षेत्र को स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी सौगात दी। लोकार्पण समारोह में मंत्री ने कहा कि अस्पताल की हर जरूरत को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा और किसी भी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं में कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने ऑनरेरी सेवा देने वाले डॉक्टरों से अस्पताल में जुड़कर जनसेवा का आग्रह किया और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को आवश्यकतानुसार तकनीशियन नियुक्त करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं में सख्ती, पारदर्शिता और विस्तार का वादा : मंत्री ने अस्पताल के डॉक्टरों को चेतावनी दी कि वे बाज़ार की दवाएं न लिखें। अस्पताल में निशुल्क दवा प्रदाय के लिए पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, और यदि किसी दवा की कमी हो तो अस्पताल प्रशासन सीधे कलेक्टर से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाएं जुटाने में कोई कोताही नहीं बरती जाएगी और जरूरत पड़ने पर एक और अस्पताल भी बनाया जाएगा। प्रधानमंत्री आयुष्मान कार्ड योजना को जनहितकारी बताते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी गरीब इलाज से वंचित न रहे। लोगों से इस योजना की जानकारी अधिक से अधिक फैलाने का आह्वान किया।



विकास कार्यों का सुनहरा अध्याय

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि खरमोर अभयारण्य में अधिग्रहित 14 गांवों की भूमि अब किसानों को मालिकाना हक के साथ वापस मिल गई है। साथ ही क्षेत्र को 200 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली सड़कों की भी सौगात दी गई। उन्होंने हरियाली को समय की जरूरत बताया और प्रेरित किया कि हर व्यक्ति हर साल अपनी मां के नाम एक पेड़ अवश्य लगाए। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि हर बहन लखपति बहनाओं की सूची में शामिल हो, और सरकार ने इसके लिए कई योजनाएं लागू की हैं।

18 ग्राम पंचायत भवनों का भूमि पूजन : प्रभारी मंत्री ने जनपद पंचायत सरदारपुर में 18 नवीन ग्राम पंचायत भवनों (अटल सेवा सदन) का भूमि पूजन किया। प्रत्येक भवन पर 37.50 लाख रुपये की लागत आएगी, जो ग्रामीण प्रशासन और सेवा वितरण को सुदृढ़ करेगा। कार्यक्रम की शुरुआत कन्या पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। मंच से जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा, सरदारपुर विधायक प्रताप ग्रेवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती, ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार और पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया ने भी क्षेत्रवासियों को संबोधित किया। अंत में, मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को स्वच्छता और जल संरक्षण का संकल्प दिलाया और कार्यक्रम के बाद उत्साहपूर्वक तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, एसपी मनोज कुमार सिंह, सीईओ अभिषेक चौधरी भी उपस्थित थे।

विक्रम वि. वि. उज्जैन का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने पर मुख्यमंत्री का धन्यवाद : सचिन दवे

धार। प्रदेश के प्राचीनतम विश्वविद्यालय विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के नाम से संशोधित होने के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा से मंजूरी मिली है। इस विशिष्ट उपलब्धि पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को बधाई देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कार्यपरिषद के सदस्य सचिन दवे ने इस पहल के लिए धन्यवाद दिया है। गौरतलब है कि विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन की कार्यपरिषद द्वारा 14 जनवरी 2021 को कुलपति को विश्वविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने का अनुरोध पत्र दिया गया एवं विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने 22 जनवरी 2021 को आयोजित बैठक में यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया था। तत्पश्चात विश्वविद्यालय द्वारा प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, मध्य प्रदेश शासन को मार्च 2021 को कार्रवाई हेतु पत्र प्रेषित किया गया था जिसका उज्जैन के स्थानीय समाचार पत्रों में भी उल्लेख हुआ था। विगत दिनों विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के दीक्षित समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विश्वविद्यालय का नाम सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के नामकरण करने की सार्वजनिक घोषणा की थी, जिसे 5 अगस्त 2025 को विधानसभा में पारित किया गया है। इस विशेष अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से उज्जैन संभाग के नागरिकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।



लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम से आज निकलेगी विशाल तिरंगा यात्रा

बैतूल। 79 वा स्वाधीनता दिवस के पूर्व आज बैतूल शहर में विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन को लेकर नगर पालिका के सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, समस्त शाखा प्रभारी, शिक्षा विभाग के अधिकारी, आईटीआई व पॉलिटेक्निक के प्रतिनिधि, जेएच कॉलेज एवं गर्ल्स कॉलेज के प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में रैली को शांतिपूर्ण और प्रभावशाली तरीके से सम्पन्न कराने के लिए अंतिम रूप से मार्ग, सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तिरंगा यात्रा आज 13 अगस्त को सुबह 9:30 बजे लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम से प्रारंभ होकर शिवाजी चौक, एसपी ऑफिस चौक, तांगा स्टैंड गंज, दिलबहार चौक, कार्लिशिवा चौक, मैकेनिक चौक, नेहरू पार्क, कारगिल चौक, अंबेडकर चौक, पहलवान बाबा दरगाह होते हुए लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में समाप्त होगी। रैली के साथ पुलिस बैंड रहेगा जो राष्ट्रगान और देशभक्ति की धुनों से यात्रा को प्रभावी बनाएगा। नगर पालिका ने मार्ग पर सुरक्षा, ट्रैफिक नियंत्रण तथा प्राथमिक चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने सभी स्कूल-कॉलेज, सामाजिक संस्थाओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में भागीदारी करने का अनुरोध किया है ताकि यात्रा देशभक्ति के साथ संपन्न हो सके। नगर पालिका ने रैली के रूट का नक्शा भी जारी कर दिया है और नागरिकों से कहा गया है कि वे निर्धारित मार्ग और समय का सम्मान करते हुए सहयोग दें।

अंबेडकर कालेज में निकाली तिरंगा यात्रा



बैतूल। बीआर अंबेडकर शिक्षा महाविद्यालय बैतूल में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्रा निकाली गई। महाविद्यालय से चक्कर रोड तक रैली निकाल यात्रा तिरंगा लगाने के लिए लोगों को जागरूक किया। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में बी.एड स्कालर्स एवं संचालक महोदय सहित महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल स्वतंत्रता दिवस पर करेंगे ध्वजारोहण

बैतूल। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य जिला स्तरीय समारोह का आयोजन 15 अगस्त को स्थानीय पुलिस ग्राउंड में किया जाएगा। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण करेंगे तथा स्वतंत्रता दिवस की बधाई संदेश का वाचन करेंगे। ध्वजारोहण के उपरांत पुलिस, एनसीसी, स्काउट-गाइड एवं छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य परेड का आयोजन होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वतंत्रता संग्राम, देशभक्ति एवं प्रदेश की संस्कृति पर आधारित प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

लोकमाता अहिल्याबाई: शौर्य, सेवा और संकल्प की सजीव गाथा

● नाटक लोकमाता अहिल्याबाई – जीवन, अवदान और वैभव का गान का हुआ मंचन

धार। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन धार के संयुक्त तत्वावधान में 11 अगस्त सोमवार को महाराजा भोज स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विक्रम सभागार में नाटक लोकमाता अहिल्याबाई – जीवन, अवदान और वैभव का गान का ध्वज मंचन हुआ। शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कलाकारों के स्वागत से हुआ। इस दौरान इंदौर संभाग प्रभारी, भाजपा



राखेन्द्र गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती एवं नाटक निदेशक रंजना चितले उपस्थित रहीं। नाटक की अद्वितीय प्रस्तुति ने न केवल दर्शकों को इतिहास के स्वर्णिम पन्नों से रूबरू कराया, बल्कि उन्हें साहस, सेवा और संकल्प की प्रेरणा भी दी। वरिष्ठ

लेखिका रंजना चितले द्वारा लिखित, परिकल्पित और निर्देशित इस नाटक ने अहिल्याबाई के जीवन वृत्तांत को सजीव रूप में प्रस्तुत किया। नाटक में उनके शौर्य, पराक्रम, अटूट संकल्प, समाज निर्माण के आदर्शों और जनकल्याणकारी कार्यों को बड़े प्रभावी ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया।

40 कलाकारों का दल मंच पर एकजुट –नाटक में रचनात्मक सहयोग तानाजी राव का रहा, जबकि संगीत संयोजन श्रुति धर्मेश ने किया। प्रकाश परिकल्पना की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित, संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित कमल जैन द्वारा की गई। 90 मिनट की इस प्रस्तुति में लगभग 40 कलाकारों ने अभिनय कौशल दिखाया। पोवाड़ा गायन शैली का किया प्रयोग –नाटक की विशेषता रही कि इसमें महाराष्ट्र की पोवाड़ा गायन शैली का प्रयोग किया गया। इस शैली को प्राचीन समय में युद्ध, पराक्रम और वीरता के प्रसंगों को गाने के लिए प्रयोग किया जाता था। पोवाड़ा के लयबद्ध उच्चारण, ढोलक की थाप और स्वर –संगति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

जनपद स्तर पर सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली 20 पंचायत को किया सम्मानित

पीएआई 1.0 पंचायत उन्नति सूचकांक का किया विमोचन

बैतूल। पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र मुलताई के तत्वावधान में जनपद पंचायत बैतूल के सभाकक्ष में 20 ग्राम पंचायत का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान पंचायत उन्नति सूचकांक का विमोचन एवं शीर्ष 20 ग्राम पंचायत को प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत उपाध्यक्ष कृष्णा लोखण्डे, जनपद पंचायत सदस्य मुकुंदराव धोटे, पिंटु कार्कोड़िया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री शिवानी राय एवं जिला पंचायत से राष्ट्रीय ग्राम स्वराज्य अभियान के डीपीएम संदीप कुमार परिहार, जिला समन्वयक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुश्री शिवानी राय द्वारा कहा गया कि आगे ग्राम पंचायत का रिपोर्ट कार्ड विषयगत करेंगी और श्रेष्ठ स्कोर अर्जित करेंगी। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान डीपीएम ने बताया कि पीएआई 1.0 वित्तीय वर्ष 2022- 23 के लिए लागू किया गया है। 9 अप्रैल 2025 को पीएआई 1.0 के तहत पंचायत को प्राप्त स्कोर रिलीज हुआ है। देश के सभी पंचायत का रिपोर्ट कार्ड विषयगत करेंगी और समग्र स्कोर पीएआई पोर्टल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। इसी के आधार पर एलएसडीजी थीम 9 में सर्वश्रेष्ठ स्कोर करने वाली पंचायत को सम्मानित किया गया है। बैतूल जनपद की सर्वश्रेष्ठ प्रथम पंचायत बघोली है, जिसने जिला स्तर पर भी 8वां स्थान प्राप्त कर 2100 की पुरस्कार राशि प्राप्त की है।



सांदीपनि और मॉडल स्कूल के 116 विद्यार्थियों को विधायक ने वितरित की साइकिल

घर-घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत चित्रकला, रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बैतूल। नगर घोड़ाडोंगी के सांदीपनि विद्यालय और मॉडल स्कूल के 116 विद्यार्थियों को सोमवार विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उर्दके एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में साइकिलों का वितरण किया गया। सर्वप्रथम सांदीपनि विद्यालय की एनसीसी की छात्राओं द्वारा विधायक को गेट से मार्चपास्ट करते हुए मंच तक लाकर सलामी दी गई। प्राचार्य विवेक तिवारी ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय की एनसीसी छात्राओं द्वारा ट्रेनिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिन्हें गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रशस्ति पत्र भेजा है, सभी एनसीसी की छात्राओं को विधायक श्रीमती गंगासज्जन सिंह उर्दके एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उर्दके ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी एवं प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार अच्छा कार्य हो रहा है विद्यालय में लम्बी दूरी तय करके आने वाले छात्र-छात्राओं को



पेशानियों का सामना न करना पड़े उन्हें आज शासन की योजना के तहत साइकिल वितरण किया जा रहा है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को अच्छी शिक्षा ग्रहण कर अपने परिवार, जिला और प्रदेश का नाम रोशन करने की अपील की। विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उर्दके द्वारा घर-घर तिरंगा अभियान अंतर्गत सांदीपनि विद्यालय में आयोजित चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता को भी देखा एवं छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की सराहना की। सभी को संबोधित करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मालवीय ने कहा कि भाजपा सरकार में केंद्र और राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बहुआयामी विकास कर रही है छात्रों को अब पढ़ने पर ध्यान देना है उनकी पढ़ाई की चिंता सरकार कर रही है। आप सभी भाग्यशाली हो जिन्हें शासन की

हर सुविधा का लाभ प्राप्त हो रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश महतो ने अपने संबोधन में शासन से मिलने वाली साइकिल, गणवेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य योजना का विद्यार्थियों को अधिक से अधिक लाभ दिए जाने सहित अच्छी सुविधा पर विद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश महतो, जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र मालवीय, आदिवासी युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपक उर्दके, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राकेश अरोरा, उर्मिला तिवारी पार्षद, नीतू सोनी, सविता पथारिया श्रीयादव, नंदकिशोर उर्दके सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, नागरिक एवं अभिभावक सहित सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य विवेक तिवारी, मॉडल स्कूल से जी.पी.डेरिया एवं शिक्षक/शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

नपा ने सड़कों का कराया था चौड़ीकरण, ताकि आ-जा सके वाहन

सड़क पर वाहनों की पार्किंग से बिगड़ रही यातायात व्यवस्था

बैतूल। नगरपालिका ने शहर में करोड़ों रुपये की लागत से सड़कों का चौड़ीकरण किया। एक जानकारी के अनुसार शहर में करीब 22 किमी लंबाई की सड़कों को चौड़ा किया गया, किनारों पर फुटपाथ भी बनाए। जिसका फायदा पार्किंग के रूप में उठया जा रहा है। हालात यह है कि दुकानदारों, बड़े मॉल संचालकों के पास पार्किंग व्यवस्था नहीं है। इससे दुकानदार और दुकानों में आने वाले ग्राहक सड़कों पर वाहनों की पार्किंग कर सड़कों पर कब्जा कर रहे हैं। घंटों तक यह वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं और यातायात में बाधक बनते हैं। लेकिन नपा अपनी ही बनाई सड़कों और किए सौंदर्यकरण को भूल गई है। दरअसल गंज से कोठी बाजार को जाने वाली सड़क के किनारों पर बनाए अधिकांश फुटपाथों पर दुकानदारों का कब्जा है। केवल एसपी ऑफिस चौराहे से बीएसएनल कार्यालय तक ही फुटपाथ स्पष्ट और पहले की तरह हैं। यहां पर बेंचों पर लोग बैठते हैं और पैदल टहलते भी हैं। इसके आगे गंज हाथी नाले तक फुटपाथ पूरे नदरदह हो गए हैं। यहां पर दुकान

संचालकों का सड़क पर कब्जा है। शाम के समय तो यहां सड़क और फुटपाथ पर वाहन खड़े होते हैं। जिससे लोगों को पेशानियों का सामना करना पड़ता है।

6 साल पहले हटाया गया था अतिक्रमण : विकास नगर से कालापाठा की ओर जाने वाली सड़क पर भी दोनों ओर सड़क तक दुकानें बढ़ा दी हैं। खासकर फर्नीचर और लकड़ी के कारोबारियों ने यहां सड़क को अपना कारोबार चमकाने की जगह बना लिया है। यहां पर नपा ने 6 साल पहले अतिक्रमण हटाने के लिए तोड़फोड़ की थी, लेकिन इसके बाद नपा अमला यहां पर नहीं पहुंचा है। जबकि यहां पर सैकड़ों अतिक्रमण पैर पसारें हुए हैं। कई तो बड़ी-बड़ी इमारतें यहां गंज से कोठी बाजार को जाने वाली सड़क के किनारों पर बनाए अधिकांश फुटपाथों पर दुकानदारों का कब्जा है। केवल एसपी ऑफिस चौराहे से बीएसएनल कार्यालय तक ही फुटपाथ स्पष्ट और पहले की तरह हैं। यहां पर बेंचों पर लोग बैठते हैं और पैदल टहलते भी हैं। इसके आगे गंज हाथी नाले तक फुटपाथ पूरे नदरदह हो गए हैं। यहां पर दुकान



बीच में ड्रिवाइडर बनाए थे। इनके दोनों ओर 7.5-7.5 मीटर चौड़ी डामर सड़क बनाई थी। इन सड़कों के दोनों ओर डेढ़-डेढ़ मीटर चौड़े फुटपाथ बनाए गए थे। इन फुटपाथ के नीचे अंडरग्राउंड नालियां भी बनाई गईं। लेकिन धीरे-धीरे दुकानों का कारोबार सड़क तक पहुंच गया। जिससे कई बार वाहन चालकों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी हालात ऐसे बन जाते हैं कि ज्यादा ट्रैफिक होने पर लोगों को वाहन निकालने तक की जगह नहीं मिल पाती है और वाहन चालक पेशान होते रहते हैं।

बस स्टैंड से लखी चौक तक पर भी

यहीं हाल –नगरपालिका ने हाल ही में बस स्टैंड से लखी चौक तक सड़क का चौड़ीकरण किया है, ताकि वाहन चालकों को आने-जाने में सुविधा हो सके। नपा ने सड़क के बीच ड्रिवाइडर भी बनाये हैं, लेकिन सड़क के चौड़ीकरण का लाभ आमजनों को नहीं मिल पा रहा है। यहां वाहन चालक ड्रिवाइडर से लगकर वाहन खड़ा कर देते हैं या दूसरी तरफ दुकानों की ओर वाहन खड़े होते हैं। जिससे सड़क की चौड़ाई प्रभावित हो जाती है। सामाहिक बाजार वाले दिन तो हालात ऐसे हो जाते हैं कि वाहन चालकों को काफी पेशानियों का सामना करना पड़ता है।

फाइल फोटो

दुकानदारों का सामान लेकर आने वाले बड़े वाहन भी दुकानों के सामने खड़े रहते हैं। जिससे वाहनों को निकलने में भी कठिनाइयां आती हैं।

इनका कहना है -

यदि सड़क पर कब्जा किया जा रहा है तो इसे हमारे अमले द्वारा हटवाया जायेगा। सड़क पर वाहन खड़े नहीं किये जा सकते हैं। यातायात अमले की मदद से पहले भी कार्रवाई की गई है और आगे भी की जावेगी। बृजगोपाल परते, आर. आई., नगरपालिका बैतूल

एम्स भोपाल की स्मार्ट यूनिट द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह पर स्तनपान जागरूकता अभियान का आयोजन



भोपाल। एम्स भोपाल में विश्व स्तनपान सप्ताह (1 से 7 अगस्त) के अवसर पर बाल रोग विभाग की स्मार्ट यूनिट द्वारा माताओं के लिए स्तनपान जागरूकता क्रिज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस सप्ताह के अंतर्गत समूह काउंसलिंग सत्र और अन्य जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य स्तनपान के महत्व, सही तकनीकों और कार्यरत महिलाओं के लिए इसे बनाए रखने के तरीकों के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ाना था। क्रिज प्रतियोगिता में माताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं को सम्मानित किया

गया। इस दौरान स्तनपान से जुड़ी वैज्ञानिक और व्यवहारिक जानकारी भी साझा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि स्तनपान शिशु के लिए संपूर्ण और सुरक्षित आहार है, जो उनके विकास और रोग-प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। यह न केवल शिशु को संक्रमण से बचाता है, बल्कि माँ और बच्चे के बीच गहरा भावनात्मक जुड़ाव भी स्थापित करता है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम थी। स्तनपान को प्राथमिकता दें- टिकाऊ सहयोगी प्रणालियों का निर्माण करें। इस संदेश के साथ बाल रोग विभाग की विभागाध्यक्ष ने यह भी बताया कि स्तनपान को

केवल पारिवारिक जिम्मेदारी न मानकर समाज, स्वास्थ्य संस्थानों, कार्यस्थलों और नीतिगत स्तर पर भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए ऐसी लंबी अवधि की, न्यायसंगत और सुलभ सहायता प्रणालियाँ बनाना आवश्यक है जो स्तनपान कराने वाली महिलाओं को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करें। कार्यक्रम की योजना और संचालन में डॉक्टर, नर्सिंग अधिकारी, पोषण विशेषज्ञ और फीडिंग डेमोंस्ट्रेटर की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजन को इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक्स और डॉक्टर्स फॉर यू फाउंडेशन के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में पूर्ण समर्पण और निष्ठा से करें कार्य : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश के आकांक्षी एवं उच्च प्राथमिकता वाले जिलों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) की नियुक्ति से ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाएं और सुदृढ़ होंगी। आमजन को समय से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने नवनियुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से कहा है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में पूर्ण समर्पण और निष्ठा से कार्य करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा एक श्रेष्ठ मानवीय सेवा है, जिसमें प्रत्येक मरीज के

जीवन और सुख-समृद्धि से सीधा जुड़ाव होता है। उन्होंने कहा कि आपका कर्तव्य केवल चिकित्सा तक सीमित नहीं, बल्कि रोगी के जीवन में विश्वास, उम्मीद और राहत का संचार करना भी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों से अपेक्षित है कि अपने दायित्व को सेवा भाव और राष्ट्रहित की भावना से निभायें। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार व उन्हें और बेहतर किए जाने की दिशा में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्यप्रदेश द्वारा एक साथ 400 से अधिक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की

नियुक्ति की गई है। ये नियुक्तियां आकांक्षी और उच्च प्राथमिकता वाले जिलों-सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, डिंडोरी, पन्ना और छतरपुर-में की गई हैं। कुल 415 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सेवाएं देंगे, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाली आबादी को अपने निवास स्थान के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

समग्र स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की अवधारणा को शामिल किया गया है। इन केंद्रों में गर्भावस्था देखभाल, बाल एवं

किशोर स्वास्थ्य, संचारी एवं असंचारी रोग प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धजन स्वास्थ्य देखभाल, मुख, दंत, नेत्र, नाक-कान-गला रोग तथा आपातकालीन चिकित्सा जैसी 12 प्रकार की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यहां 17 प्रकार की पैथोलॉजी जांच और 126 प्रकार की औषधियां निशुल्क उपलब्ध हैं, साथ ही योग-पोषण दिवस जैसे स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश में 12,551 आयुष्मान आरोग्य मंदिर क्रियाशील हैं, 90 प्रतिशत से अधिक केंद्रों में यह नियुक्तियां पूर्ण हो गई हैं।

नरेला रक्षाबंधन महोत्सव

दूसरे दिन 18 हजार 546 बहनों ने बांधी मंत्री श्री सारंग को राखी

भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग मंगलवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 78 एवं 69 में आयोजित नरेला रक्षाबंधन उत्सव में सम्मिलित हुए। विश्व के सबसे बड़े रक्षाबंधन उत्सव के दूसरे दिन 18 हजार 546 बहनों ने मंत्री श्री सारंग को रक्षा सूत्र बांधा। इस मौके पर मंत्री श्री सारंग ने बहनों को लव जिहाद और नशे के खिलाफ लड़ाई की शपथ दिलाई। उन्होंने बहनों के लिये गीत भी गाया।

हिन्दू बहन-बेटियों को लव जिहाद और नशे के कुचक्र में नहीं फंसने देंगे

इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हिन्दू बहन-बेटियों को लव जिहाद और नशे के कुचक्र में नहीं फंसने देंगे। यह केवल सांस्कृतिक संरक्षण ही नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा का संकल्प है। इसके लिये विश्वास विजय वाहिनी के माध्यम से घर-घर जनजागरण किया जाएगा।

यह राजनीतिक नहीं नरेला परिवार का उत्सव

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि हर वर्ष नरेला विधानसभा में डेढ़ लाख से अधिक संख्या में बहनें उन्हें रक्षा-सूत्र बांधकर स्नेह व आशीर्वाद प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि नरेला रक्षाबंधन महोत्सव राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, यह नरेला परिवार की लाखों बहनों के अटूट विश्वास का बंधन है। बहनों का यह स्नेह ही उन्हें जनसेवा के लिये शक्ति प्रदान करता है। यही नरेला विधानसभा को नरेला परिवार बनाता है।

बहनों के बीच पहुँचकर बंधवाई राखी

20 अगस्त तक चलने वाले रक्षाबंधन महोत्सव के दूसरे दिन भी बहनों ने कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार किया और मंत्री श्री सारंग को राखी बांधी। बुजुर्ग बहनों ने रक्षा-सूत्र बांधकर मंत्री श्री सारंग के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। मंत्री श्री सारंग ने सभी बहनों को उपहार स्वरूप छत्रा, महाकाल का चित्र, अभिमात्रित रुद्राक्ष भेंट एवं गंगा जल भेंट किया।

रहवासियों ने किया भव्य स्वागत

कार्यक्रम में पहुँचने पर क्षेत्रवासियों ने मंत्री श्री सारंग का भव्य स्वागत किया। यहाँ मंत्री श्री सारंग को बगीची में मुख्य कार्यक्रम स्थल तक डीजे और ढोल-ताशों के साथ मंच तक ले जाया गया। इस अवसर पर उपकर आतिशबाजी भी की गई। मुख्य कार्यक्रम स्थल आगमन पर बहनों ने मंत्री श्री सारंग पर पुष्पवर्षा कर उनका खेहिल स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

आईटीआई में रोजगार मेला ‘‘ युवा संगम’’ 14 अगस्त को लगेगा

हरदा (निप्र)। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिये शासकीय आईटीआई हरदा में एक दिवसीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिस मेले ‘‘ युवा संगम’’ का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी श्री लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया कि यह मेला 14 अगस्त को प्रातः 11 बजे से आयोजित होगा। मेले में विभिन्न कम्पनियों द्वारा तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक युवतियों की भर्ती की जायेगी। इस रोजगार मेले में 5 वी, 8वी, 10वी, 12वी, आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक व स्नातकोत्तर उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष तक की आयु के युवा भाग ले सकते है। जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलोटे ने बताया कि मेले में भाग लेने के इच्छुक युवा अपने सभी मूल दस्तावेज अंकसूची, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड व परिचय पत्र की फोटोकॉपी, समग्र आईडी तथा 4 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ प्राप्त कर सकते है। मेले में भाग लेने के लिये किसी भी प्रकार का मार्ग व्यय देना नहीं होगा।

युवक ने खरपतवार नाशक दवा पी ली, मौत

हरदा (निप्र)। हरदा जिले के छीपाबड़ थाना क्षेत्र के भवर्दी मॉल में रहने वाले 22 वर्षीय युवक ने घरेलू विवाद के बाद जहर खाकर खुदकुशी कर ली। परिजन सुबह उसे जिला अस्पताल लेकर आए, जहां कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। रविवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अस्पताल चौकी पुलिस ने बताया मुत्तक की पहचान राजू पिता शिवलाल उड्डे (22) निवासी भवर्दी मॉल के रूप में हुई। रविवार सुबह करीब 11 बजे उसने गुर्रसे में आकर चारा मार का सेवन कर लिया था। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। यहां उपचार के दौरान कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। राजू के जीजा विष्णु काकोडिया ने बताया कि राजू पिता के साथ मिलकर काम करता था। घटना के समय घर में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया।

2 साल से लापता नाबालिग वृंदावन से बरामद, आरोपी को भेजा जेल

भैरून्दा (निप्र)। भैरून्दा पुलिस ने दो साल से लापता नाबालिग लड़की को उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के वृंदावन से बरामद किया। पुलिस ने आरोपी जितेंद्र अहिरवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उस पर पहले से इनाम घोषित था। मामला 8 जनवरी 2023 का है। छतरपुर निवासी एक व्यक्ति ने भैरून्दा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 7 जनवरी को लव करीब 3 बजे उसकी 16 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से चली गई थी। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामला गंभीर होने पर पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला ने कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत और एसडीओपी रोशन जैन के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक घनश्याम दांगी की टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। तकनीकी सहायता भी ली। इसी के आधार पर 6 अगस्त को पुलिस ने वृंदावन से नाबालिग को ढूंढ निकाला। आरोपी की उम्र 26 साल है। वह बहरिया, सागर का रहने वाला है। बरामदगी के बाद नाबालिग के बयान लिए गए। मेडिकल जांच कराई गई। फिर उसे लियसेवा सोसायटी, गांधीनगर, भोपाल में दाखिल कराया गया। बयानों के आधार पर आरोपी को भैरून्दा न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया।

भुजूरिया-महिलाओं ने गाए मंगल गीत

बिलकिसगंज (निप्र)। जिले के ग्राम बरखेड़ा देवा में भुजूरिया पर्व धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं ने सिर पर भुजूरिया रखकर टोली निकाली, मंगल गीत गाए, नाच-गान हुआ। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को भुजूरिया दी। छोटे बच्चों ने बड़ों से आशीर्वाद लिया। सैकड़ों लोग कार्यक्रम देखने पहुंचे। गांव के वरिष्ठ नागरिक, ग्रामीण और महिला शक्ति प्रमुख रूप से मौजूद रही।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में निकाली तिरंगा रैली

चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन



बैतूल (निप्र)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय आठनेर में देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए रविवार को विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय से ग्राम बरखेड़ा तक भव्य तिरंगा रैली से हुई। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और

महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। प्रतिभागियों ने भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के जोशीले नारे लगाकर पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना दिया। रैली के पश्चात महाविद्यालय परिसर में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला प्रतियोगिता में कुल 6 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें मुस्कान राठौर

बेबी कॉन्वेंट स्कूल रायसेन में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाने पर प्रधानाध्यापक और संचालक को नोटिस जारी

रायसेन (निप्र)। रायसेन स्थित अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाए जाने पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक द्वारा अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के प्रधानाध्यापक तथा संचालक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर तीन दिवस में जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही स्कूल की शिक्षण सामग्री की जांच हेतु समिति भी गठित की गई है। इसके अलावा यह है कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर अनुसार अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल में अनियमित पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है। विद्यार्थियों से प्राप्त पट्टी पहछा में छपी हिन्दी वर्णमाला में इस्लाम धर्म के प्रतीक चिन्ह जैसे क से काबा, न से नमाज, ह से हिजाब आदि शब्दों का प्रयोग किया गया है!

जबकि मान्यता गाईडलाईन के मुताबिक स्कूल में धर्म विशेष के प्रतीक चिन्हें वाली पाठ्यक्रम सामग्री नहीं पढ़ाई जा सकती है। आरटीई मान्यता नियमों का उल्लंघन किए जाने के फलस्वरूप अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल रायसेन को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है कि क्यों ना विद्यालय के विरुद्ध मान्यता समालो की कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। इस संबंध में अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के प्रधानाध्यापक/संचालक को अपना प्रतिवाद समग्रमाण 03 दिवस में जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतिवाद समाधानकारक नहीं पाए जाने अथवा निर्धारित समय पर प्रस्तुत नहीं किए जिन पर अशासकीय बेबी कॉन्वेंट स्कूल के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से वीसी में शामिल हुए कलेक्टर-एसपी सहित अन्य अधिकारी

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान के संबंध में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित कर अभियान की गतिविधियों की समीक्षा की। सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर श्री बालागुरु के. तथा एसपी श्री दीपक कुमार शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी वीसी में शामिल हुए। वीसी के पश्चात कलेक्टर श्री बालागुरु के. ने हर तिरंगा अभियान के आयोजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि जनप्रतिनिधियों तथा

हर घर तिरंगा अभियान की गतिविधियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा



अधिक से अधिक गणमान्य नागरिकों को इस अभियान से जोड़ा जाए। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार जिले में प्रत्येक

अनुभाग स्तरीय पर्यटन एवं पुरातत्व संबंधी साइट्स पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत अनेक गतिविधियों का आयोजन किया

जाएगा। अभियान के तहत 13 अगस्त को तिरंगा यात्रा का आयोजन तथा 14 अगस्त को मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

भजन-कीर्तन करते हुए अजनाल के पेड़ीघाट पहुंची महिलाएं



हरदा में पारंपरिक गीतों के साथ पूजन कर नदी में किया ज्वारों का विसर्जन

हरदा (निप्र)। हरदा में रविवार शाम को भुजूरिया उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। शहर के विभिन्न मोहल्लों से श्रद्धालुओं की टोलियां भजन-कीर्तन करते हुए अजनाल नदी के पेड़ी घाट पहुंचीं। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों के साथ पूजन करने के बाद ज्वारों का विसर्जन किया।

होमगार्ड, पुलिस और नगर पालिका द्वारा नदी किनारे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। शाम होते ही अलग-अलग टोलियों में महिलाएं अजनाल नदी के पेड़ी घाट पहुंचकर भुजूरियों का विसर्जन करने लगीं। प्रजापति समाज की महिलाएं बाजे-गाजे और पारंपरिक गीतों के साथ विसर्जन के लिए पहुंचीं। लोगों ने

मंदिरों में भगवान को भुजूरिया चढ़ाने के बाद एक-दूसरे को भुजूरिया देकर बधाई दी। साथ ही बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया गया।

ग्रामीण किसानों का आज भी परंपराओं पर विश्वास

ग्रामीण किसानों का आज भी परंपराओं पर विश्वास है। आधुनिक कृषि तकनीक आने के बावजूद, वे भुजूरिया पर्व पर बोई जाने वाली भुजूरियों के आकार से खरीफ फसल की पैदावार का अनुमान लगाते हैं। सावन मास की नवमी तिथि को बोई गई भुजूरियों की रंगत

से गेहूं की पैदावार का अंदाजा लगाया जाता है। पीपल्या, मगरधा, बालागांव, रहटगांव, फुलूडी और पानतलाई में भी भुजूरिया पर्व धूमधाम से मनाया गया। ग्रामीणों ने पूर्व जनपद सदस्य रामभरोस पटेल के निवास पर भुजूरिया की टोकनियों को एकत्रित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने सिर पर भुजूरियों की टोकनियां रखकर भजन गाते हुए गांव के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा निकाली। पुरुषों ने परंपरा अनुसार ढोलक-मजरीरों की थाप पर भजन गाते हुए डंडे लड़ाए। घोघई नदी पर भुजूरिया की पूजा कर विसर्जन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने एक-दूसरे को गले मिलकर भुजूरिया दी।

लुटेरों ने जबलपुर में बैंककर्मियों से बैग में सोना भरवाया था

मैनेजर से बोले- डकैती पड़ रही है, किसी ने शोर मचाया तो गोली मार दूंगा

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर जिले में संभवतः पहली बार दिनदहाड़े लूट की इतनी बड़ी वारदात हुई है। खितौला क्षेत्र स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक की शाखा में सोमवार सुबह पांच लुटेरों सिर्फ 18 मिनट में लूट हुई। एक लुटेरा मैनेजर के पास पहुंचा और कट्टा दिखाकर बोला, बैंक में डकैती पड़ रही है। किसी ने शोर मचाया तो गोली मार दूंगा।

लुटेरों ने बैग में जेवरत भरे। उन्होंने कट्टा दिखाकर बैंककर्मियों को धमकाया और उनसे भी अपने बैग में सोना भरवाया। आखिर में सभी को बाथरूम में बंद कर दिया। लगभग 14.5 करोड़ रुपए का सोना और 5 लाख रुपए लेकर फरार हो गए।

घटना जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर स्थित सिहोरा के मेन रोड की है। मंगलवार को आईजी प्रमोद वर्मा ने बैंक का डीआईजी, एसपी के साथ निरीक्षण किया। आईजी सिहोरा से लेकर मंडोली तक गए। इस दौरान जहां-जहां सीसीटीवी कैमरे लगे थे, उन्हें देखा।

पुलिस ने अब तक 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं। जानकारी के मुताबिक लुटेरों की आखिरी लोकेशन सिहोरा से 19 किमी दूर मंडोली तक मिली है। आगे तीन रोड आती हैं। एक रोड बचैया, दूसरी गुबरा होंते हुए दमोह और तीसरी रोड कटणी तरफ जाती है। ऐसे में अब पुलिस की टीम तीनों रोड पर भी लुटेरों को सच कर रही है।



2017 में बना था इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक- इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक मार्च 2017 में लघु वित्तीय बैंक बना और जनवरी 2018 से इसका संचालन शुरू हुआ। इससे पहले यह एक एनजीओ के रूप में काम करता था। जबलपुर जिले में इस बैंक की कई शाखाएं हैं, जिनमें से एक सिहोरा में है।

घटना वाले दिन सोमवार सुबह 7 बजे, समूह लोन विभाग के कर्मचारी बैंक पहुंचे और लॉगिन करने के बाद चले गए। 7:30 बजे सफाईकर्मी संतराम बर्मन पहुंचा और सफाई कार्य में जुट गया। सवा आठ बजे बैंक मैनेजर अंकित सोनी और डिस्ट्रिक्ट मैनेजर राघवेंद्र पटेल आए और रोजमर्रा के काम में लग गए।

8:57 बजे घुसे लुटेरे, 18 मिनट में बैंक लूट लिया- सुबह 8:57 बजे, तीन बाइकों पर

सवार पांच लुटेरे ब्लैक हेलमेट पहनकर बैंक में दाखिल हुए। बैंक के कर्मचारी पहले तो उन्हें आम लोग समझते रहे और काम में लगे रहे, तभी एक बदमाश ने मैनेजर अंकित सोनी को धमकाया।

इसके बाद लुटेरों ने मैनेजर से लॉकर की चाबी मांगी। लॉकर दो चाबियों से खुलता है, एक अंकित के पास थी, जो उसने दे दी। कुछ देर बाद बैंक अधिकारी रीना पटेल अपनी कुर्सी पर आकर बैठ गईं, उन्हें पहले यह नहीं समझ आया कि

बैंक में लूट चल रही है। लुटेरों ने उनसे भी लॉकर की चाबी छीन ली और फिर लॉकर खोलकर जेवरत निकालने लगे। सीसीटीवी में दो बदमाश एक महिला कर्मचारी को स्ट्रॉन रूम की ओर ले जाते दिख रहे हैं।

बैंककर्मियों को धमकाया, मदद भी कारवाई- लुटेरे कट्टे की नोक पर जेवरत बैग में भर रहे थे। इस बीच उन्होंने बैंककर्मियों को धमकाया, 'तुम लोग भी मदद करो, जेवरत बैग में भरने में।' जब कर्मचारियों ने धीमी गति से काम किया, तो लुटेरों ने उन्हें हटा दिया और खुद तेजी से सोना भरना शुरू कर दिया। लूटपाट के दौरान उनकी नजर कैश काउंटर पर पड़ी, जहां 5 लाख रुपए नकद रखे थे। वे इसे भी लेते गए।

बावड़िया कलां से आशिमा मॉल तक जल्द बनेगा आरओबी: राज्यमंत्री श्रीमती गौर

लबित कार्य जल्द पूर्ण कर निर्माण कार्य शुरू करने के दिए निर्देश



भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने बावड़िया कलां चौराहा से आशिमा मॉल तक रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के लिए भू-अर्जन कार्रवाई जल्द पूर्ण कर ब्रिज निर्माण की बाधा को दूर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित यातायात और जन सुविधा के लिए इसका निर्माण जल्द शुरू करें। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने मंत्रालय में गोविंदपुरा क्षेत्र के अंतर्गत स्वीकृत, निर्मित और निर्माणधीन सेतु कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को ये निर्देश दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि स्वीकृत ड्राइंग पर

रोटरी बनाकर चारों कोनों के लेफ्ट टर्न क्लियर किये जाएंगे, जिससे यातायात व्यवस्थित हो। श्रीमती गौर ने बताया कि पूर्व निर्मित श्री बाबूलाल गौर रेलवे ओवर ब्रिज पर सुरक्षा के लिए रोड सेफ्टी फर्नीचर लगाए जाएंगे। नर्मदापुरम की तरफ मार्ग का चौड़ीकरण किया जाएगा। यह सभी कार्य लगभग 1 करोड़ 50 लाख की लागत से किए जाएंगे। उन्होंने बावड़िया कलां चौराहा से आशिमा मॉल तक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य 15 अक्टूबर तक शुरू करने के निर्देश दिए। यह ब्रिज लगभग 2 वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा। बैठक में लोक निर्माण विभाग, नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेन के इंजन में घुसा मानसिक रोगी, बोला- आज मैं चलाऊंगा?

ग्वालियर में लोको पायलट की सीट पर बैठा ज़िद पर अड़ा तो पुलिस बुलानी पड़ी

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर से कैलास जाने वाली मेमू ट्रेन में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक व्यक्ति ट्रेन के इंजन में लोको पायलट की सीट पर जा बैठा। बोला- आज ट्रेन मैं चलाऊंगा। सहायक लोको पायलट ने उसे उतरने को कहा तो हंगामा करने लगा और ट्रेन चलाने की ज़िद पर अड़ गया। इसके बाद तीन से चार सहायक लोको पायलट इंजन में पहुंचे और उसे काफी मुश्किल से बाहर निकाला।

घटना सोमवार शाम की है, जिसका 28 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया है। इंजन में घुसे युवक को जब बाहर निकालने का प्रयास किया गया, तो उसने स्टाफ से झुमाझटकी और मारपीट की। इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलवे सुरक्षा बल को दी। युवक मानसिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। स्टेशन पर काफी भीड़ थी। अनजान युवक के इंजन में हंगामा करने से लोग घबरा गए। ग्वालियर से कैलास के लिए मेमू शाम 4.55 बजे चलना ब्रेती है। यह ट्रेन प्लेटफार्म तीन पर लगभग एक घंटे पहले आ जाती है। सोमवार को यह ट्रेन शाम 4 बजे से पहले आ गई, तभी युवक इंजन में घुस गया। युवक लोको पायलट की सीट पर बैठा गया। सहायक लोको पायलट को नजर उस पर पड़ी। बस यहीं से हंगामा शुरू हो गया। जब उसे रोकना चाहो तो वह अड़ गया कि आज तो मैं ही ट्रेन चलाऊंगा। उसके ज़िद करने और बार-बार खिसियाने से सहायक लोको पायलट समझ गया कि व्यक्ति मानसिक रूप से सामान्य नहीं है। सहायक लोको पायलट ने आरपीएफ और रेलवे के अधिकारियों को सूचना दी।



रणथंभौर से मादा चीता ज्वाला का रेस्क्यू

आबादी वाले क्षेत्र में किया था बकरियों का शिकार , बेहोश कर वापस ला रहे कूनों

रथोपुर (नप्र)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर अभयारण्य में पहुंची कूनों नेशनल पार्क की मादा चीता 'ज्वाला' को टैकुलाइज कर रेस्क्यू कर लिया गया। रेडियो कॉलर की मदद से लोकेशन ट्रैक करते हुए कूनों की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची, जहां विशेषज्ञों ने ज्वाला को बेहोश कर वाहन से सुरक्षित कूनों ले जाया गया। इसके पहले कूनों से रणथंभौर नेशनल पार्क में मादा चीता 'ज्वाला' की एंटी से लोगों की चिंता भी बढ़ गई थी। देर शाम ज्वाला को रणथंभौर पार्क क्षेत्र में देखा गया, जो एक दिन पूर्व मानपुर और काशीपुर (मध्यप्रदेश) में देखी गई थी। बताया जा रहा है कि देर शाम उसकी लोकेशन रामेश्वर त्रिवेणी संगम क्षेत्र में दर्ज हुई थी।



फतेहपुर गांव में गोवंश का शिकार करने के बाद ज्वाला सीप नदी पार कर बगदियां चंबल किनारे पहुंची। वहीं, मंगलवार अलसुबह राजस्थान के बहरातखंड कलां थाना क्षेत्र

के करीरा गांव में उसने दो बकरियों का शिकार कर लिया। घटना के बाद से वह बकरियों के बाड़े के पास ही मौजूद रही। मौके पर मध्यप्रदेश के कूनों अभयारण्य की ट्रेकिंग टीम और राजस्थान वन विभाग की टीम उस पर नजर रख रही थी। वन विभाग ने किया था अलर्ट जारी- ज्वाला, कूनों नेशनल पार्क से निकलकर राजस्थान की सीमा में पहुंची थी, जिसके बाद दोनों राज्यों की वन्यजीव टीमों अलर्ट पर थीं। उसकी कुवमेंट पर सुरक्षा कैमरों और रेडियो कॉलर के जरिए 24 घंटे निगरानी रखी जा रही थी। वन विभाग ने कहा था कि फिलहाल वह सुरक्षित है, लेकिन रणथंभौर में पहले से मौजूद बाघों के साथ आमना-सामना होने पर खतरे की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

नर्मदापुरम में पेट्रोल पंप कर्मचारी से 3.5 लाख की लूट

दो नकाबपोश ने धक्का देकर गिराया, बैग छीनकर भागे, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम के रामपुर गांव में सोमवार शाम एक बड़ी लूट की वारदात हो गई। पेट्रोल पंप के कर्मचारी से बैंक में जमा करने जा रहे साढ़े तीन लाख रुपए नकाबपोश बदमाश छीनकर फरार हो गए। वारदात रामपुर पेट्रोल पंप से करीब 100 मीटर दूर हुई।

घटना की सूचना मिलने के बाद रामपुर थाना पुलिस और इटारसी एसडीओपी वीरेंद्र मिश्रा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। हालांकि, रात 12 बजे तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकी थी।

बैंक में जमा करने जा रहा था पैसा

पेट्रोल पंप संचालक समर सिंह तोमर ने बताया कि कर्मचारी घनश्याम उर्फ मनीष कुशवाह, करीब तीन साल से उनके पंप पर काम कर रहा है। वह पेट्रोल-डीजल की दो दिन की बिक्री के 3.5 लाख रुपए लेकर शाम करीब 4 बजे बैंक ऑफ इंडिया, रामपुर शाखा में जमा करने जा रहा था।

इसी दौरान पीछे से बाइक पर सवार दो नकाबपोश बदमाश आए। उन्होंने घनश्याम को लात मारकर गिराया और उसके पास रखा रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। यह पूरी जानकारी कर्मचारी ने पंप संचालक को दी।

पुलिस जांच में जुटी, सीसीटीवी खंगाले जा रहे

रामपुर थाना प्रभारी विपिन पाल ने बताया कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि बदमाशों की पहचान की जा सके। पुलिस पेट्रोल पंप के आसपास उस समय मौजूद मोबाइल नंबरों की लोकेशन भी निकाल रही है।

इसके अलावा पुलिस कर्मचारी घनश्याम से भी लगातार पूछताछ कर रही है ताकि घटना की सच्चाई और पूरी जानकारी सामने आ सके। टीआई ने बताया कि मामले में हर संभव एंगल से जांच की जा रही है और जल्द ही लुटेरों को पकड़ा जाएगा।

चेन्नई की आयकर टीम ने पटाखा कारोबारी के यहां छापेमारी की

सिमरोल गोदाम से जांच की, शिवकाशी कनेक्शन दूढ़ा

इंदौर। चेन्नई से आई आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को इंदौर के नामी पटाखा कारोबारी लक्ष्मी ग्रुप के ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई सुबह करीब 9 बजे सिमरोल इलाके में स्थित रूप के बड़े गोदाम से शुरू हुई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस की मौजूदगी में टीम ने गोदाम का कब्जा लेकर अंदर दस्तावेज, रजिस्टर और अन्य कारोबारी रिकॉर्ड की जांच शुरू की। सोमवार देर रात तक यह तलाशी अभियान जारी रहा।

इस कार्रवाई में कम से कम 15 अधिकारी शामिल थे, जिनमें आयकर विभाग के जांच अधिकारी, टेक्निकल स्टाफ और स्थानीय राजस्व अधिकारी भी मौजूद रहे। छापे के दौरान गोदाम परिसर के अंदर-बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। जानकारी के मुताबिक, यह छापेमारी दक्षिण भारत के बड़े पटाखा समूहों पर चल रही देशव्यापी जांच का हिस्सा है।

पहले चरण में आयकर विभाग ने तमिलनाडु के शिवकाशी और अन्य शहरों में पटाखा कंपनियों के ठिकानों से बड़े पैमाने पर दस्तावेज, डिजिटल डेटा और लेन-देन से जुड़े सबूत जुटाए थे। इन दस्तावेजों

जांच में क्या खोजा गया

आयकर विभाग का मुख्य फोकस नकद लेन-देन के सबूत, टैक्स चोरी से जुड़े दस्तावेज, शेल कंपनियों के जरिए हुई खरीद-फरोख्त के रिकॉर्ड, फर्जी बिलिंग या अधोषिit संपत्ति के प्रमाण जुटाना है। टीम ने गोदाम में रखे कंप्यूटर सिस्टम, बिल बुक, ट्रॉजकशन रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले। सोमवार देर रात तक यह कार्रवाई जारी रही। आयकर विभाग की टीम अभी भी दस्तावेजों की स्कैनिंग और सीलिंग प्रक्रिया में जुटी रही। सूत्रों का कहना है कि जांच के बाद कई कारोबारी और अकाउंटिंग स्टाफ को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किए जा सकते हैं।

में इंदौर के लक्ष्मी रूप सहित देश के कई प्रमुख पटाखा कारोबारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन और आर्थिक कनेक्शन की जानकारी मिली। इन्हीं सुरागों के आधार पर सोमवार को इंदौर सहित देशभर के कई शहरों में एक साथ दबिश दी गई।

जबलपुर समेत 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

साढ़े 4 इंच तक पानी गिरेगा ; दमोह और मैहर में बारिश, भोपाल में बादल

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के जबलपुर समेत 11 जिलों में मंगलवार को भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, 13 अगस्त से बंगाल की खाड़ी से लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) एक्टिव हो रहा है। जिसका असर भोपाल, इंदौर और उज्जैन संभाग में भी दिखाई देगा। मंगलवार सुबह दमोह और मैहर में बारिश हुई। भोपाल में बादल छापे हैं।

छतरपुर के नौगांव में 2.3 इंच बारिश- मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान छतरपुर, सतना, पन्ना, रीवा, मैहर, दमोह, कटनी, जबलपुर, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। 13 अगस्त को दक्षिणी हिस्से के जिलों में बारिश के आसार हैं। वहीं, 14 अगस्त को भोपाल, नर्मदापुरम, उज्जैन, इंदौर और जबलपुर संभाग के जिलों में तेज बारिश होने का अनुमान है।

इससे पहले सोमवार को छतरपुर जिले के नौगांव में 2.3 इंच बारिश हो गई। दतिया, ग्वालियर, पचमढ़ी, दमोह, खजुराहो, सतना, सिवनी समेत कई जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

15 अगस्त से लगातार तेज बारिश- सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि एक ट्रफ और दो साइक्लोनिक स्कूलेजेशन सिस्टम की एक्टिविटी है। इस वजह



से प्रदेश में बारिश हो रही है। 13 अगस्त से एक लो प्रेशर एरिया भी एक्टिव हो रहा है। इस वजह से 15 अगस्त से लगातार तेज बारिश होने का अनुमान है।

तेज झड़ी लगते ही कई जिलों में कोटा होगा फुल- वैज्ञानिकों के अनुसार, अगस्त के दूसरे सप्ताह में तेज बारिश का दौर शुरू होगा, जो आखिरी तक चलता रहेगा। ऐसे में कई जिलों में बारिश का कोटा अगस्त में ही पूरा हो जाएगा।

नए क्षेत्र की तलाश में ज्वाला

सीसीएफ उत्तम शर्मा के अनुसार, यह मूवमेंट संभवतः ज्वाला के नए क्षेत्र की तलाश और शिकार की उपलब्धता से जुड़ा है। ऐसे मामलों में जंगली जीव अक्सर अपने पुराने क्षेत्र से निकलकर नए इलाकों में जाते हैं, जहां उन्हें पर्याप्त शिकार और अनुकूल वातावरण मिल सके। रणथंभौर का इलाका शिकार प्रजातियों से भरपूर है, जो ज्वाला को आकर्षित कर सकता है। ज्वाला का रणथंभौर आगमन वन्यजीव संरक्षण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बड़े मांसाहारी जीवों के क्षेत्र विस्तार और उनके व्यवहार पर नए अध्ययन का अवसर प्रदान करेगा। वहीं, पर्यटन के लिहाज से भी यह खबर उत्साहजनक है, क्योंकि चीतों का खुला विचरण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकता है।